धनबाद
मंगलवार 16.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-114 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-1
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑब्जर्वर

झारखण्ड कृषि व्यापार मेला 2026
उद्घाटन समारोह

प्रवेश नि:शुल्क
आप सभी
मेला में सादर आमंत्रित हैं

दिनांक: 16 से 18 जून 2026
समय: पूर्वाह्न 10 बजे
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अध्यक्षता
श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण
एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

PR 382440 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 26-27

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

संपादकीय

क्या दुनिया ट्रंप की बातों पर भरोसा करेगी?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन कोई न कोई ऐसा बयान देते हैं, जिससे बाद कई स्तर पर उथल-पुथल हो जाती है। हालांकि आमतौर पर कुछ ही समय के बाद वे या तो अपनी बात से उलट कुछ नया कह देते हैं या फिर उसे वापस ले लेते हैं। विडंबना यह है कि वैश्विक कद के महेनजर ट्रंप के बयानों को बिल्कुल बेमानी मान लेना भी संभव नहीं होता और उनके विचारों को स्थिर मानना भी मुश्किल होता है।

दरअसल, कई बार बेहद हड़बड़ी में की गई उनकी टिप्पणियों की वजह से ऐसी स्थितियां पैदा हुईं, जिनका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हुआ, लेकिन वे खुद अपनी बातों को लेकर गंभीर नहीं दिखे। मसलन, करीब दो महीने पहले जब पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत नाकाम हुई थी, तब ट्रंप ने युद्ध की आग ज्यादा भड़कने को लेकर लगातार कई धमकियां दी थीं। इसके बाद शेयर बाजार में 4500 से ज्यादा अंकों की तेज गिरावट दर्ज की गई थी। मगर जब भी वे हमलों के धीमा पड़ने या बातचीत को लेकर सकारात्मक बयान देते हैं, तो उसके बाद शेयर बाजार में भारी उछाल देखा जाता है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से दुनिया के ज्यादातर देशों की आपूर्ति शृंखला बाधित है और वे भी ट्रंप के रुख को लेकर फिक्रमंद रहते हैं। ट्रंप जब कहते हैं कि युद्ध खत्म करने या विराम को लेकर सहमति बन सकती है, तो उससे शेयर बाजार में राहत के साथ-साथ प्रभावित देशों के भीतर शांति और स्थिरता की उम्मीद पैदा हो जाती है। मगर इससे बेखबर ट्रंप अगले ही दिन इसके उलट या भ्रम पैदा करने वाला कोई और बयान दे देते हैं। गौरतलब है कि गुरुवार

को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी की कि बहुत जल्द ईरान के तेल-गैस उद्योगों और खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लिया जाएगा और इसके लिए अमेरिका आज रात ईरान पर व्यापक पैमाने पर हमला करेगा। जाहिर है, इसके बाद युद्ध के और जटिल शक्ल अख्तियार करने को लेकर व्यापक आशंका पैदा हुई। मगर इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने कहा कि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ रही है और इस वजह से उस पर बमबारी रद्द कर दी गई है। यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है, बल्कि जब से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला किया, तब से वे कई बार इसी तरह के बयान दे चुके हैं और उससे पलट चुके हैं। यह समझना मुश्किल है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी जिस युद्ध की वजह से न केवल इन देशों के नागरिक, बल्कि कई अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित हैं और व्यापक ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं, उसके बारे में ट्रंप इतने हल्के अंदाज में कैसे कोई भी बयान दे देते हैं। उनके अगंभीर रवैये की वजह से कई बार ऐसे हालात बन जाते हैं, जिनका कुछ देशों की आर्थिक स्थिति पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अफसोस की बात यह है कि जल्दबाजी भरे बयानों और उनमें स्थिरता न रहने के कारण उनकी विश्वसनीयता में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। वे व्यापार से लेकर कूटनीति तक के मामले में भारत को अपना सहयोगी बताने में पीछे नहीं रहते, लेकिन भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाने में अमेरिका को कोई हिचक नहीं हुई। हालांकि भारत की तीखी आपत्ति के बाद ट्रंप ने आरोपों का रुख ईरान की ओर मोड़ने की कोशिश की। सवाल है कि क्या युद्ध को खत्म करने और वैश्विक शांति के लिए ट्रंप किसी स्पष्ट तथा स्थिर नीति के तहत अपने कदम आगे नहीं बढ़ा सकते, जिससे उनकी विश्वसनीयता भी मजबूत हो सके?

गोली चलाकर निकल गए हमलावर पीछे छूट गया कानून का डर

हरियाणा के हांसी में एक जिम संचालक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर देने की घटना ने एक बार फिर इस बात को उजागर किया है कि अपराधियों को कानून का कोई खौफ नहीं है। जब अपराधी खुलेआम हथियार लेकर घूमते हों और मौका पाकर इस तरह की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाएं, तो कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे न केवल आमजन में असुरक्षा की भावना बढ़ती है, बल्कि सरकार के सुरक्षा एवं जांच तंत्र पर उनका भरोसा भी डगमगाने लगता है। सवाल है कि आखिर अपराधियों के भीतर कानून का भय क्यों खत्म हो गया है? इसे सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही और नाकामी नहीं, तो और क्या कहा जाएगा कि हत्या जैसी संगीन वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी आसानी से फरार हो जाते हैं? सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों

पर शिकंजा कसने के लिए समूची प्रणाली को आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। इसके बावजूद अगर अपराध कम नहीं हो रहा, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? गौरतलब है कि हांसी में जिम संचालक की गुरुवार सुबह उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह लोगों के एक समूह को खुले में व्यायाम करा रहे थे। मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने दस गोलियां चलाईं। यानी हमलावर यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि जिम संचालक किसी भी हाल में जिंदा न बचे। इस वारदात की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, लेकिन हमलावर फरार होने में कामयाब रहे। इस घटना के कुछ घंटों बाद दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने एक जिम पर गोलीबारी की, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने ली है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इन दोनों घटनाओं का आपस में कोई संबंध है। फिलहाल पुलिस इस बारे में जांच कर रही है। मगर शासन-प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि सिर्फ कानून बना देने से सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त नहीं हो जाती। जब तक सुरक्षा एवं जांच तंत्र में हर स्तर पर सतर्कता, संवेदनशीलता और जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक कानून व्यवस्था में सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

आज का कार्टून

कोलकता में सरकारी इमारत में लगी आग, 400 ईवीएम जलकर हुए राख

धोखाधड़ी के सारे सबूत मिटाए जा रहे हैं!

हर साल जलते पहाड़, हर साल वही सवाल...

जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। जब पहाड़ियां तपिश के चलते शुष्क हो जाती हैं और चट्टानें भी खिसकने लगती हैं, तो प्रायः घर्षण से आग लग जाती है। तेज हवाएं चलने पर जब बांस परस्पर टकराते हैं, तो इससे पैदा होने वाले घर्षण से भी आग लग जाती है। बिजली गिरना भी आग लगने के कारणों में शामिल है। ये कारण प्राकृतिक हैं और इन पर विराम लगाना असंभव है। मगर मानव-जनित जिन कारणों से आग लगती है, वे अधिक खतरनाक हैं। इसमें वन-संपदा के दोहन से अकूत मुनाफा कमाने की होड़ भी शामिल है। भू-माफिया, लकड़ी माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ इस कारोबार को फलने-फूलने में सहायक बना हुआ है। राज्य सरकारों ने विकास का पैमाना भी आर्थिक उपलब्धि को माना है, इसलिए सरकारें पर्यावरणीय क्षति को नजरअंदाज करती हैं। आग लगने की अन्य वजहों में बीड़ी-सिगरेट भी हैं, तो कभी शरारती तत्व भी आग लगा देते हैं।

प्रमोद भार्गव

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग पर वायुसेना ने काबू न पाया होता, तो यह बड़े संकट का सबब बन गई होती। हिमाचल के सोलन जिले के कसौली क्षेत्र में लगी आग सैन्य ठिकानों और आवासीय इलाकों तक पहुंच गई थी।

वन अमला आग बुझाने का कोई सार्थक उपाय कर नहीं पाया, तब भारतीय वायुसेना को राहत अभियान में उतरना पड़ा। उत्तरकाशी में जंगल की आग गंगोत्री राजमार्ग पर पहुंच गई थी, जहां गेस्ट हाउस में ठहरे 70 यात्रियों को बड़ी मुश्किल से बचाया गया। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और रामबन जिलों में कई दिनों तक पहाड़ धधकते रहे।

गर्मी का मौसम शुरू होते ही पहाड़ी वनों में आग लगने की घटनाएं प्रतिवर्ष सुर्खियां बनने लगती हैं, लेकिन किसी भी राज्य ने आग रोकने का स्थायी प्रबंध करने की जरूरत आज तक नहीं समझी है। इन घटनाओं से हजारों हेक्टेयर जंगल सुलगकर राख में बदल जाते हैं। हिमाचल के अकेले कसौली वन क्षेत्र में दस हेक्टेयर जंगल राख हो गया। उत्तराखंड के वनों में आग लगने की 388 से ज्यादा घटनाएं दर्ज होने के साथ तीन लोगों की मृत्यु हो गई। कोई 340 हेक्टेयर वन भूमि धधकती रही। चमोली के आदिबदरी और कालसी में ग्रामों तक आग पहुंच गई। पौड़ी में आग लगाने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया। जम्मू-कश्मीर के रामबन, चंदरकोट और उधमपुर में भी कई वन क्षेत्रों के धधकने की खबर आई। इन पहाड़ी क्षेत्रों में आग पर काबू पाना इसलिए मुश्किल होता है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में राहत आसानी से पहुंच नहीं पाती। यहां आग बुझाने का काम वन विभाग और स्थानीय लोगों की मदद से ही संभव हो पाता है।

चीड़ के जंगल और लैंटाना की झाड़ियां इस आग को फैलाने के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। दरअसल, चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वलनशील पदार्थ होता है। ये पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं, तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है। इसी तरह, लैंटाना जैसी विषाक्त झाड़ियां आग को भड़काने का काम करती हैं। करीब 40 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में ये झाड़ियां फैली हुई हैं। इन पत्तियों में भयावह आग लग जाती है। इससे वर्षा कम होती है। तापमान बढ़ जाता है। इन वजहों से यहां पतझड़ की मात्रा बढ़ी, उसी अनुपात में मिट्टी की नमी घटती चली गई। ये ऐसे प्राकृतिक संकेत थे, जिन्हें वन अधिकारियों को समझने की जरूरत थी।

वैसे चीड़ और लैंटाना भारतीय मूल के पेड़ नहीं हैं। अंग्रेजों ने जब पहाड़ों पर आशियाने बनाए, तब उन्हें बर्फ से आच्छादित पहाड़ियां अच्छी नहीं लगीं। वे ब्रिटेन के बर्फीले क्षेत्र में उगने वाली चीड़ की प्रजाति के पौधे भारत ले आए और बर्फीली पहाड़ियों के बीच खाली पड़ी भूमि में रोप दिए। इन पेड़ों को जंगली जीव और मवेशी नहीं खाते हैं। इसलिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण पाकर ये तेजी से फलने-फूलने लगे। इसी तरह, लैंटाना को

भारत की दलदली और बंजर भूमि में पौधारोपण के लिए लाया गया था।

यह विषैला पौधा भारत के किसी काम तो नहीं आया, लेकिन इसने लाखों हेक्टेयर भूमि में फैलकर उपजाऊ जमीन जरूर लील ली। ये दोनों प्रजातियां ऐसी हैं, जो अपनी छाया में किसी अन्य पेड़-पौधे को पनपने नहीं देती हैं। चीड़ की एक खासियत यह भी है कि जब इसमें आग लगती है, तो इसकी पत्तियां ही नष्ट होती हैं। तने और डालियों को ज्यादा नुकसान नहीं होता। पानी बरसने पर ये फिर से हरे-भरे हो जाते हैं। लगभग यही स्थिति लैंटाना की भी है।

चीड़ और लैंटाना को उत्तराखंड से निर्मूल करने के लिए कई बार सामाजिक संगठन आंदोलन कर चुके हैं, लेकिन सार्थक नतीजे नहीं निकले। अलबत्ता, इनके पत्तों से लगने वाली आग से बचने के लिए चमोली जिले के एक गांव के लोगों ने चीड़ के पेड़ों की जगह हिमालयी मूल के पेड़ लगाने शुरू कर दिए। जब ये पेड़ बड़े हो गए, तो इस गांव में 20 साल से आग नहीं लगी। इसके बाद कई ग्रामवासियों ने इस देसी तरीके को अपना लिया। इन पेड़ों में पीपल, देवदार और अखरोट के वृक्ष लगाए गए हैं। यदि वन अमला ग्रामीणों के साथ मिलकर ऐसे उपाय करता, तो आज उत्तराखंड के जंगलों की यह दुर्दशा नहीं होती।

जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। जब पहाड़ियां तपिश के चलते शुष्क हो जाती हैं और चट्टानें भी खिसकने लगती हैं, तो प्राय: घर्षण से आग लग जाती है। तेज हवाएं चलने पर जब बांस परस्पर टकराते हैं, तो इससे पैदा होने वाले घर्षण से भी आग लग जाती है। बिजली गिरना भी आग लगने के कारणों में शामिल है। ये कारण प्राकृतिक हैं और इन पर विराम लगाना असंभव है। मगर मानव-जनित जिन कारणों से आग लगती है, वे अधिक खतरनाक हैं। इसमें वन-संपदा के दोहन से अकूत मुनाफा कमाने की होड़ भी शामिल है। भू-माफिया, लकड़ी माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ इस कारोबार को फलने-फूलने में सहायक बना हुआ है। राज्य सरकारों ने विकास का पैमाना भी आर्थिक उपलब्धि को माना है, इसलिए सरकारें पर्यावरणीय क्षति को नजरअंदाज करती हैं।

आग लगने की अन्य वजहों में बीड़ी-सिगरेट भी हैं, तो कभी शरारती तत्व भी आग लगा देते हैं। कभी ग्रामीण अपने पशुओं के चारे के लिए सूखी और कड़ी पड़ चुकी घास में आग लगा देते हैं। ऐसा करने से धरती में जहां-जहां नमी होती है, वहां-वहां घास की नई कोंपलें फूटने लगती हैं, जो मवेशियों के लिए पौष्टिक आहार का काम करती हैं। पर्यटन वाहनों के साइलेंसर से निकली चिंगारी भी आग की वजह बनती है। आग से बचने के कारगर उपायों में पतझड़ के दिनों में टूटकर गिर जाने वाले पत्तों का प्रबंधन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही पत्ते आग लगने की बड़ी वजह बनते हैं। केंद्रीय हिमालय में 2.1 से लेकर 3.8 टन प्रति हेक्टेयर पतझड़ होता है। इसमें 82 प्रतिशत सूखी पत्तियां और बाकी टहनियां होती हैं। जंगलों पर वन विभाग का अधिकार होने से पहले अपने अनुभव के आधार पर ग्रामीण इस पतझड़ से जैविक खाद बना लिया करते थे। इन पत्तों को मवेशियों के बिछौने के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। किंतु वन कानूनों के वजूद में आने से वनोपज पर स्थानीय लोगों का अधिकार खत्म हो गया।

इस सबके बावजूद जंगल में लगी आग को बुझाने के तरीके परंपरागत हैं। वन अमला हरी टहनियों की झाड़ू बनाता है और उसकी फटकार से आग बुझाने का काम करता है। इस तरीके से दावानल को नहीं बुझाया जा सकता। वनों में आग लगने का एक बड़ा कारण आरक्षित वनों, अभयारण्यों और उद्यानों से ग्रामवासियों का विस्थापन किया जाना भी है। ये जब तक जंगल के वासी रहे, तब आग बहुत कम लगती थी, क्योंकि ये लोग आग लगते ही उसे बुझा दिया करते थे।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है। हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद

तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है।

साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरुआत है। यदि सरकार अपने दावों के अनुरूप तेल उत्पादन, निवेश और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की ऊर्जा शक्ति, सामरिक मजबूती और आर्थिक विस्तार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

धनबाद
मंगलवार 16.06.2026
मूल्य-₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-114 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-1
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

हेमंत सरकार को बदनाम करने वाले निगम के भ्रष्ट अधिकारियों पर सीएम करें कार्रवाई : बीरेन्द्र पासवान

होटल भूमाफिया के इशारे पर 5 वर्षों से जमे अधिकारी गरीब महिला का घर अवैध ढंग से तोड़ा ✪ किसके इशारे पर सीओ का अधिकार का अतिक्रमण कैसे कर रहा फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार

धनबाद (कार्यालय): धनबाद पूर्व प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता बाघमारा विधायक प्रतिनिधि बिरेंद्र पासवान ने बिहार ऑब्जर्वर में प्रकाशित खबर को प्रमुखता से लेते हुए सोशल मडिया पर झारखंड के मुख्यमंत्री, झारखंड पुलिस, धनबाद उपायुक्त, धनबाद सांसद, झरिया विधायक, धनबाद विधायक सहित धनबाद को पोस्ट करते हुए लिखा कि नगर निगम में इन दिनों बड़े पैमाने पर भू-माफियाओं के इशारों पर गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं।

रैयती और केशरे हिन्द जमीन पर बनाये गये आवासों को भी नगर निगम अतिक्रमण के नाम पर तोड़ने का काम कर रहा है और बड़े-बड़े लाभ पहुँचाने के लिए नगर निगम पावर का दुरूपयोग करते हुए रैयती जमीनों पर भी अतिक्रमण के नाम पर गरीबों के आवासों को तोड़ने का काम कर रहे हैं, जबकि सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करने वाले की जाँच धनबाद अंचल द्वारा की जाती है, नगर निगम द्वारा अपनी जमीनों को अतिक्रमण करने का अधिकार दिया गया है, मगर रैयती जमीनों पर बने हुए घर एवं केशरे हिन्द सरकारी जमीनों पर बनाये गये घरों की जाँच अंचल द्वारा की जाती है।

मगर नगर निगम इन दिनों धनबाद में जमीन माफियाओं एवं रसुकदार लोगों के इशारों पर नगर निगम अपनी जमीने बताकर अतिक्रमण के नाम पर हिटलरसाही कर रहा है और जोर-जबरदस्ती गरीबों को आवासो को तोड़कर उन्हें परेशान करने का कार्य किया जा रहा है, @झारखंडसीएमओ जी पत्र के अनुसार इसके पीछे धनबाद में फुड इन्स्पेक्टर अनिल कुमार एवं वर्षों से जमे हुए सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार द्वारा माफियाओं को लाभ पहुँचाने के लिए होटल संचालकों को लाभ पहुँचाने के लिए ये सारे खेल किये जा रहे हैं, जिसका उदाहरण एस०डी०ओ० आवास के पीछे इति सिंह नामक महिला जिनकी माँ के नाम से केशरे हिन्द जमीन पर आवास बनाया गया था, मगर भू-माफियाओं के इशारों पर नगर निगम द्वारा अतिक्रमण के नाम पर उनके घर को भी तोड़ने का काम किया, जो कि धनबाद में ये दर्शा रहा है कि जो नगर निगम की जमीने नहीं है, उसको भी अपना बताते हुए अतिक्रमण के नाम पर तोड़ा जा रहा है।

इसके पीछे भू-माफिया और नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार एवं अनिल कुमार की भूमिका अहम है, जो भू-माफियाओं को खुश करने के लिए वर्षों से अतिक्रमण के नाम पर अवैध वसूली करने का काम कर रहे हैं, इनलोगों का काम है कि पहले तोड़ो फिर वसूली करके फिर बनाने की इजाजत तो नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार पाँच सालों से धनबाद नगर निगम में विराजमान हैं।

बहुत से लोगों के तबादला हो गये लेकिन प्रकाश कुमार और अनिल कुमार का तबादला आज तक नहीं हुआ है, जिससे की नगर निगम क्षेत्र माफियाओं के कैंजे में चला गया और रैयती जमीनों एवं केशरे हिन्द जमीनों पर भी नगर निगम अपनी पावर का दुरूपयोग करते हुए तोड़ने का काम कर रहा है, जिससे की लोगों में आक्रोश है।

इसलिए माननीय सचिव से आग्रह है कि इस तरह की कारवाई को रोका जाय जो गरीबों को अतिक्रमण के नाम से हटाने का काम कर रहे हैं, जो माननीय की जाँच का मामला है। इस प्रकार के मामलों से सरकार की छवि धुमिल हो रही है इसलिए इस मामले पर संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की कृपा करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाई जा सके।

नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर सख्ती से बनाया जाएगा अंकुश : हेमंत सोरेन

युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

रांची (एजेंसी): सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नशा मुक्त झारखंड बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संचालित राज्यव्यापी जागरूकता अभियान की शुरुआत की। उन्होंने झारखंड मंत्रालय परिसर में ११ जागरूकता प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर राज्य के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया। इन वाहनों के माध्यम से निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन, तस्करी और इसके दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से दूर रखना और समाज में इसके खिलाफ व्यापक जनजागरूकता पैदा करना है। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीले एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों के सेवन से मनुष्य के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी के सहयोग से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा किसी भी व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन को पूरी तरह से नष्ट कर देता है। यह न केवल नशा करने वाले व्यक्ति को बीमार बनाता है, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को भी गहरे संकट में डाल देता है। नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। वर्तमान समय में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मादक पदार्थों का सेवन परिवार, समाज और राज्य की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है। इसलिए सरकार ने व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की है, ताकि राज्य की जनता, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा सके और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील

मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं ▶▶ 8

राज्यकर्मियों को 60 सेकेंड में मिलेगा लोन सरकार पर नहीं पड़ेगा कोई वित्तीय बोझ

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के वित्त विभाग ने सरकारी कर्मचारियों को क्रेडिट सुविधाएं, अग्रिम वेतन, बीमा उत्पाद और अन्य मूल्यवर्धित सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर कैबिनेट आज मंजूरी दे दी। प्रस्ताव के तहत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी) के माध्यम से कर्मचारियों को सैलरी एडवांस और अन्य वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वित्त विभाग के अनुसार यह मॉडल सरकार के लिए पूरी तरह शून्य लागत और शून्य दायित्व वाला होगा। कर्मचारियों को दी जाने वाली वित्तीय सुविधाओं का पूरा जोखिम और प्रबंधन संबंधित एनबीएफसी कंपनियां करेंगी। किसी भी परिस्थिति में सरकार को वित्तीय नुकसान या देनदारी नहीं उठानी पड़ेगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि सभी कर्मचारी इन सुविधाओं के पात्र होंगे तथा अधिकतम मासिक किस्त (ईएमआई) उनके शुद्ध मासिक वेतन के ५० प्रतिशत तक सीमित रहेगी। कैबिने वित्त विभाग के इस प्रस्ताव पर मंजूरी दी।

प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को ३० दिनों तक के लिए अल्पकालिक अग्रिम वेतन सुविधा भी मिलेगी। यह सेवा सप्ताह के सातों दिन, २४ घंटे उपलब्ध रहेगी और पूरी तरह डिजिटल होगी। दावा किया गया है कि पात्र कर्मचारियों को १०० प्रतिशत स्वीकृति के साथ सामान्यतः ६० सेकंड से भी कम समय में भुगतान उपलब्ध कराया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इससे आकस्मिक आर्थिक जरूरतों के समय कर्मचारियों को ऊंची ब्याज दरों पर निजी ऋण लेने की आवश्यकता कम होगी।हाईकोर्ट के आदेश पर ४० मोटरयान निरीक्षकों की नियुक्ति का रास्ता साफ

झारखंड सरकार के परिवहन विभाग ने लंबे समय से लंबित मोटरयान निरीक्षक (एमवीआई) नियुक्ति मामले में बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने मंत्रिपरिषद से झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के विज्ञापन संख्या-१८/२०१६ के तहत चयनित ४० अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की स्वीकृति मांगी, जिस पर मंजूरी मिल गयी। यह प्रस्ताव झारखंड ▶▶ 8

केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल को दिए 8500 करोड़

सीएम शुभेंदु ने शुरू किए जन कल्याण शिविर

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को वीबी-जी राम जी योजना के तहत ८,५०० करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए बंगाल को ८,५०८ करोड़ रुपये मिले हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बंगाल इस योजना में सबसे ज्यादा फंड पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश को ९,७२१.४८ करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा, ग्राम सड़क योजना के तहत भी २,४०० करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं, जिनमें से १,००० करोड़ रुपये केंद्र ने जारी कर दिए हैं।

इस बीच, मुख्यमंत्री ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी जन कल्याण शिविर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, केंद्र से मिला यह पैसा ग्रामीण परिवारों को साल ▶▶ 8

टीएमसी के 20 बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

3 साल पहले पति-पत्नी ने बनाई थी यह पार्टी

कोलकाता/नई दिल्ली (ईएमएस): तृणमूल कांग्रेस के २० बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, ३ साल पहले २०२३ में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेजली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी। पार्टी के डॉक्यूमेंट्स में उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। पत्नी शेजली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। एनसीपीआईअध्यक्ष उत्तिया ने

१३ मई को फेसबुक पर बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी।

हावड़ा में एनसीपीआईका ऑफिस है, जहां सोमवार को सुरक्षाबलों की तैनाती दिखी। ऑफिस के गेट पर उत्तिया ने खुद को बंगाली न्यूजपेपर का एडिटर और टीचर बताया है। वहीं उनकी पत्नी शेजली को कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील बताया गया है।

एनसीपीआईका रजिस्टर्ड पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बानीपुर इलाके में है। पार्टी ने २०२३ में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में चार उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन उसके उम्मीदवार या तो नोटा से पीछे रहे ▶▶ 8

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट का दिखेगा असर

3 रुपए तक कम हो सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली(ईएमएस): अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से आई है। सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में ४ प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। अब देखना ये है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी लाकर भारत की आम जनता को केंद्र सरकार कब तक राहत मुहैया कराती है।

मिडिल ईस्ट में युद्ध के बादल छंटने की खबर आते ही ब्रेंट क्रूड ४ प्रतिशत से ज्यादा गिरकर लगभग ८३.७५ डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग ५ प्रतिशत गिरकर करीब ८०.८७ डॉलर प्रति बैरल हो गया। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक सरकार स्थितियों पर नजर बनाए हुए है। देश की तेल विपणन कंपनियों ने हार्मुज स्ट्रेट में तनाव के दौर में भारी नुकसान उठाया है। केंद्र ने भी उत्पाद शुल्क में कटौती ▶▶ 8

शिगेला संक्रमण से 7 साल के बच्चे की मौत

मलप्पुरम (ईएमएस): केरल के मलप्पुरम जिले में शिगेला संक्रमण से ७ साल के एक बच्चे की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, पुक्कोट्टूर निवासी अर्जव की कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि अर्जव को १२ जून को बुखार और दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसमें शिगेला संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इस साल केरल में शिगेला संक्रमण से यह चौथी मौत है। इनमें से तीन मौतें जून महीने में हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक, १४ जून तक राज्य में शिगेला संक्रमण के १३८ मामलों की पुष्टि हो चुकी है।

होर्मुज में फंसे 13 भारतीय जहाजों की वापसी की बढ़ी उम्मीद, शांति समझौते से खुल सकता है रास्ता

नई दिल्ली (ईएमएस): पिछले १०८ दिनों से होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे १३ भारतीय ध्वज वाले जहाजों और उन पर सवार ५६२ भारतीय नाविकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के बाद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के दोबारा खुलने की उम्मीद बढ़ गई है, जिससे भारतीय जहाजों की सुरक्षित वापसी का रास्ता साफ हो सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य फरवरी से जारी क्षेत्रीय संघर्ष के कारण लगभग बंद पड़ा था। इसके चलते बड़ी संख्या में भारतीय जहाज और नाविक समुद्र में फंस गए थे। भारत सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थी और जहाजों की सुरक्षित वापसी को प्राथमिकता बता रही थी। इससे पहले सरकार ने स्पष्ट किया था कि फंसे हुए भारतीय जहाजों को बाहर निकालना उसकी पहली चिंता है। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा के बाद वैश्विक शिपिंग कंपनियों में उम्मीद जगी है। हालांकि समुद्री मार्ग पूरी तरह सामान्य होने से पहले सुरक्षा और माइन क्लीयरेंस जैसी प्रक्रियाएं पूरी की जानी हैं, लेकिन जहाजों की आवाजाही धीरे-धीरे शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। एक भारतीय एलएनजी टैंकर के सफलतापूर्वक होर्मुज मार्ग पार करने को भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। ▶▶ 8

डीआरडीओ ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, भारत की मारक क्षमता हुई और मजबूत

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करते हुए स्वदेशी रूप से विकसित लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एलआरएलसीएम) का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा तट के पास स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से इस मिसाइल का सफल परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान निर्धारित सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया गया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल की उड़ान और प्रदर्शन की निगरानी के लिए चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज के विभिन्न ट्रैकिंग उपकरणों और सेंसरों का उपयोग किया गया। परीक्षण से प्राप्त आंकड़ों ने मिसाइल की सटीकता और विश्वसनीयता की पुष्टि की है। यह मिसाइल भारत की लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की क्षमता को नई मजबूती प्रदान करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एलआरएलसीएम भारतीय सशस्त्र बलों को दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों पर दूर से ही सटीक प्रहार करने में सक्षम बनाएगी। यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित परियोजना है, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। गौरतलब है कि इस मिसाइल का पहला परीक्षण नवंबर २०२४ में किया गया था। तब भी मिसाइल ने अपने प्राथमिक उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया था। नवीनतम परीक्षण के सफल रहने के बाद इसके भविष्य में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के लिए महत्वपूर्ण हथियार प्रणाली बनने की संभावना और मजबूत हो गई है। हाल के दिनों में डीआरडीओ ने बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली और अन्य उन्नत मिसाइल प्रणालियों के भी सफल परीक्षण किए हैं। लगातार मिल रही इन सफलताओं से भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो रहा है जिनके पास अत्याधुनिक स्वदेशी मिसाइल और रक्षा तकनीक उपलब्ध है।

सूर्यदेव सिंह की पुण्यतिथि में उमड़ा जनसैलाब, दिव्यांगों को मिली स्कूटी, रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

झरिया (ससे) : धनबाद कोयलांचल के श्रमिक आंदोलन के अग्रणी नेता एवं मजदूरों के मसीहा के रूप में विख्यात झरिया के पूर्व विधायक स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह की ३५वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और जनसहभागिता के साथ मनाई गई। झरिया कतरास मोड़ स्थित सिंह मेंशन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अखंड कीर्तन, श्रद्धांजलि सभा, रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

पुण्यतिथि समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मजदूर संगठनों के पदाधिकारियों एवं आम लोगों ने भाग लेकर स्व. सूर्यदेव सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान झरिया विधायक रागिनी सिंह के सौजन्य से नौ दिव्यांगजनों के बीच स्कूटी का वितरण किया गया। स्कूटी वितरण कार्यक्रम में पूर्व विधायक कुंती देवी एवं विधायक रागिनी सिंह ने संयुक्त रूप से लाभुकों को चाबी सौंपकर उनके आत्मनिर्भर जीवन की कामना की।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व विधायक कुंती सिंह, झरिया विधायक रागिनी सिंह, धनबाद के मेयर संजीव सिंह, सिद्धार्थ गौतम, किरण सिंह, ज्योति सिंह, मिनी गौतम, शताक्षी सहित सिंह परिवार के सदस्य प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण, गिरिडीह के पूर्व सांसद रविन्द्र नाथ पांडेय, पूर्व मंत्री एवं सारठ के पूर्व विधायक रणधीर सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, धनबाद नगर निगम के उपमहापौर अरुण चौहान, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, भाजपा नेत्री तारा देवी, निरसा की पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, भारतीय जनता युवा मोर्चा धनबाद महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, समाजसेवी एवं बियाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय झा सहित अनेक राजनीतिक, सामाजिक एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि स्व. सूर्यदेव सिंह के प्रति लोगों का स्नेह और सम्मान उसी प्रकार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ३५ वर्ष बीत जाने के बावजूद धनबादझरिया की जनता उन्हें नहीं भूली है। यह उनके जनसेवा, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण का परिणाम है। वहीं धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने कहा कि स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह ने मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनके द्वारा किए गए कार्यों को आज भी लोग श्रद्धा के साथ याद करते हैं। उन्होंने कहा कि चार बार विधायक रहे सूर्यदेव सिंह के प्रति लोगों की आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से लोग हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचते हैं।

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि स्व. सूर्यदेव सिंह ने मजदूरों के सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह कोयलांचल के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। उनके जनहित और श्रमिक हित में किए गए कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह के संघर्षपूर्ण जीवन, श्रमिक हितों के लिए किए गए योगदान और कोयलांचल की राजनीति में उनकी भूमिका को याद करते हुए उन्हें एक युगपुरुष बताया। कार्यक्रम में दिनभर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा तथा सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डीसी ने की जिला आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय में जिला आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ एवं लेडी सुपरवाइजर (एलएस) को निर्देश दिया कि वे अपनेअपने क्षेत्र में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि लाभुकों के आधार में मोबाइल नंबर अपडेट कराने के कार्य में तेजी लाई जाए ताकि विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उपायुक्त ने जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उक्त केंद्र पर आधार से संबंधित सेवाओं के साथसाथ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड, आंगनबाड़ी केंद्र एवं बीआरसी परिसर में संचालित आधार सुधार केंद्रों के बाहर वॉल राइटिंग कराने का निर्देश दिया। वॉल राइटिंग में उपायुक्त, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), लेडी सुपरवाइजर (एलएस) का नंबर अंकित किया जाएगा। इसका उद्देश्य आधार सेवाओं के नाम पर अवैध वसूली एवं दलालों की गतिविधियों पर रोक लगाना है। उपायुक्त ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति निर्धारित शुल्क से अधिक राशि की मांग करता है तो आमजन तत्काल दिए गए नंबरों पर सूचना देकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बैठक में आधार नामांकन केंद्रों की कार्यप्रणाली, मोबाइल नंबर अपडेट, बायोमेट्रिक अद्यतन एवं लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने तथा आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, डीपीओ यूआईडी अमित सिंह, सहायक मैनेजर हरवीर सिंह, हेड पोस्टमास्टर समेत समाज कल्याण तथा सीएस कार्यालय से प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर शहीदों को किया गया नमन

बलियापुर (ससे) : सीआरपीएफ १५४ वाहिनी के २३ वीं स्थापना दिवस पर प्रधानखंटा स्थित वाहिनी के मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शहीद बेदी पर श्रद्धांजलि देते हुए वीर जवानों को याद किया गया। खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें वहिनी के पदाधिकारी एवं जवानों ने बढ़चढकर भाग लिया। समारोह में बल की गौरवशाली परंपराओं, उपलब्धियां एवं राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। पदाधिकारियों ने कहा कि वाहिनी सदैव राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति समर्पित रही है। १५४ वाहिनी की स्थापना वर्ष २००४ में समूह केंद्र रंगारेड्डी (तेलंगाना) में हुई थी। स्थापना के उपरांत वाहिनी ने जम्मू कश्मीर समेत देश के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों तथा उग्रवाद प्रभावित इलाके में तैनात होकर निरंतर आंतरिक सुरक्षा, क्षेत्रीय शांति एवं विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

बुजुर्ग हमारे समाज के अमूल्य धरोहर हैं : न्यायाधीश

धनबाद (कासं) : विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिंह के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा, मयंक तुषार टोपनो ने साबलपुर स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के बीच पहुंचकर उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं कल्याण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

वृद्धाश्रम में रह रहे ८ वृद्धों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीश ने वृद्धजनों से संवाद करते हुए कहा कि समाज में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं संरक्षण सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने वृद्धजनों को सरकार द्वारा संचालित पेंशन योजना, स्वास्थ्य सुविधाएं, आयुष्मान भारत योजना तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। वृद्धाश्रम के संचालक नौशाद गद्दी ने बताया कि वृद्धाश्रम में कुल पैंतीस वृद्धजन रह रहे हैं, जिन सभी को डालसा के द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनों ने इस मौके पर कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और कानूनी दायित्व है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धनबाद द्वारा चलाया गया यह जागरूकता अभियान समाज में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कई वृद्धजनों की समस्याएं सुनी गईं तथा पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की पहल की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

28 मामलों में 50 अभियुक्त दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई सजा

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस को अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रिया में बड़ी सफलता मिली है। व्यावहार न्यायालय द्वारा मई माह के दौरान कुल २८ मामलों में ५० अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए विभिन्न अवधियों की सजा सुनाई गई। इनमें ३ अभियुक्तों को आजीवन कारावास, ५ अभियुक्तों को १० वर्ष तक की सजा, ३ अभियुक्तों को ३ वर्ष तक की सजा तथा ३९ अभियुक्तों को २ वर्ष तक की सजा सुनाई गई। यह सफलता वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशन एवं सतत् निगरानी का परिणाम मानी जा रही है। धनबाद पुलिस द्वारा किए गए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, मजबूत वैज्ञानिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के संकलन तथा गवाहों की प्रभावी प्रस्तुति के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

मई माह में हत्या के तीन मामलों में कुल पांच अभियुक्तों को सजा मिली। इनमें तीन दोषियों को आजीवन कारावास तथा दो अभियुक्तों को १० वर्ष तक की सजा सुनाई गई। चोरी के तीन मामलों में चार अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया, जिनमें एक आरोपी को १० वर्ष तक की सजा तथा तीन अभियुक्तों को २ वर्ष तक की सजा मिली। साधारण दंगा के दो मामलों में कुल ११ अभियुक्तों को दोषी पाते हुए २ वर्ष तक के कारावास की सजा सुनाई गई। अपहरण के एक मामले में एक अभियुक्त को ३ वर्ष तक की सजा दी गई। वहीं मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के तीन मामलों में तीन अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया, जिनमें एक को १० वर्ष, एक को ३ वर्ष तथा एक अन्य को २ वर्ष तक की सजा सुनाई गई। महिला अत्याचार के एक मामले में एक अभियुक्त को १० वर्ष तक की सजा मिली। छेड़खानी के एक मामले में एक अभियुक्त को २ वर्ष तक के कारावास की सजा सुनाई गई। ठगी एवं जालसाजी के एक मामले में भी एक अभियुक्त को २ वर्ष तक की सजा दी गई।

शस्त्र अधिनियम के दो मामलों में दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया गया, जिनमें एक को ३ वर्ष तथा दूसरे को २ वर्ष तक की सजा मिली। मोटर दुर्घटना के एक मामले में एक अभियुक्त को २ वर्ष तक की सजा सुनाई गई। जुआ अधिनियम के एक मामले में चार अभियुक्तों को २ वर्ष तक की सजा मिली। इसके अतिरिक्त विविध श्रेणी के नौ मामलों में १६ अभियुक्तों को दोषी पाते हुए २ वर्ष तक के कारावास की सजा सुनाई गई। एसएसपी प्रभात कुमार का कहना है कि अपराधियों के विरुद्ध गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और प्रभावी न्यायिक समन्वय की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी ताकि अपराधियों को कानून के अनुसार दंड दिलाया जा सके और आम जनता का न्याय व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत हो।

ग्रामीणों को नया विद्युत कनेक्शन देने की मांग

पुटकी (ससे) : धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के जिला महासचिव बिजेन्द्र पासवान ने महाप्रबंधक धनबाद जिला विद्युत वितरण विभाग झारखंड, को पत्र देकर मुनीडीह ओपी क्षेत्र के गोपीनाथडीह बस्ती के ग्रामीणों को नया विद्युत कनेक्शन देने का आग्रह किया है। अपने पत्र के माध्यम से बिजेन्द्र पासवान ने जानकारी दी कि ग्रामीणों ने नया विद्युत कनेक्शन के लिए कार्यलय में आवेदन और रसीद कटवाया गया है। कई बार वरीय विद्युत अभियंता और संबंधित विभाग के अधिकारियों को पत्र देकर आग्रह किया गया है।

नशा मुक्त समाज के लिए धनबाद जिला प्रशासन की पहल

धनबाद (कासं) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार मादक पदार्थों के बढ़ते प्रकोप के विरुद्ध और आमजन को इसके खतरों से आगाह करने के उद्देश्य से आज धनबाद समाहरणालय परिसर से एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

इस अभियान के तहत जिला समाज कल्याण कार्यालय तथा जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा जागरूकता रथ निकाला गया। जिसे धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार और उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने संयुक्त रूप से नशा मुक्त जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों और सुदूर गांवों का दौरा करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं और किशोरों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाना है, ताकि उन्हें इस सामाजिक बुराई से बचाया जा सके।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है।

इस अभियान की सफलता तभी संभव है जब जिले का हर नागरिक इसमें अपनी जिम्मेदारी समझे। वहीं उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज ने धनबाद जिला के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे इस 'नशा मुक्त जागरूकता अभियान' में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं और अपने आसपास के क्षेत्र को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें।

मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी समेत महिला पर्यवेक्षिका, आंगनबाड़ी सेविका सहायिका, स्कूली बच्चे समेत समाहरणालय के कर्मी मौजूद रहे।

कोयला भवन मुख्यालय में योग कैम्प का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कोयला भवन मुख्यालय में बीसीसीएल द्वारा ७ दिवसीय योग कैम्प का शुभारंभ किया गया। १५ से २० जून तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (खनन/एचआरडी) सुधाकर प्रसाद, महाप्रबंधक (श्रमशक्ति नियोजन) अर्पण घोष, विभागाध्यक्ष (सीएसआर) सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (प्रशासन) मनीष मिश्रा, विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक सहित कोयला भवन मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने योग के विभिन्न सत्रों एवं अभ्यास में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी सक्रिय सहभागिता की। योग प्रशिक्षक राम सरनार सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने योगासन, प्राणायाम, ध्यान, प्रार्थना एवं योग की अन्य महत्वपूर्ण क्रियाओं का अभ्यास किया और बेहतर स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जो हमारे जीवन में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी एवं व्यस्त जीवनशैली में योग न केवल उत्तम स्वास्थ्य और तनावमुक्त जीवन का प्रभावी माध्यम है, बल्कि कार्यस्थल पर सकारात्मकता, एकाग्रता और कार्यकुशलता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया तथा स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने पर बल दिया।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२६ के आयोजन की पूर्व तैयारी के तहत आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार देशभर के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) तथा विभिन्न सरकारी विभागों में योग कैम्प एवं वेलनेस सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए कॉमन योग प्रोटोकॉल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

इसी क्रम में कोयला भवन मुख्यालय में उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का समापन आगामी २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य समारोह के साथ किया जाएगा। बीसीसीएल द्वारा आयोजित यह पहल कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, मानसिक सुदृढ़ता तथा योग के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

50 प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण का कार्य शुरू

धनबाद (कासं) : राजगंज पैक्स से खरीफ मौसम हेतु ५० प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया। बीज वितरण का उद्घाटन जिला परिषद, अध्यक्ष शारदा सिंह, सांसद प्रतिनिधि और विधायक प्रतिनिधि के कर कमलों द्वारा किया गया। इस वर्ष जिले २४ पैक्स के माध्यम से बीज वितरण का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश द्वारा बताया गया कि यदि कृषकों की मांग रहती है तो बीज वितरण हेतु अन्य पैक्स को भी अधिकृत किया जाएगा। धान के साथ साथ अरहर, मूंग और उरद के बीज शीघ्र ही पैक्स पर उपलब्ध होंगे। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश समेत सांसद प्रतिनिधि और विधायक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

कॉ ए के रॉय की जयंती पर समारोह आयोजित

धनबाद (कासं) : केंद्रीय अस्पताल धनबाद के समीप कॉ ए के रॉय स्मारक स्थल पर आयोजन समिति धनबाद ने जननायक, समाजवादी और मजदूरकिसान नेता कॉ ए के रॉय का ९१वीं जयंती मनाते हुए समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदान शिविर तथा कई जांच शिविर आयोजित किया गया गया।

इस अवसर पर जगजीवन नगर शहीद भगत सिंह प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर यादगार रैली निकाली गई, जो सड़क मार्ग होते हुए स्मारक स्थल पर पहुंची, जहां सबसे पहले कॉ रॉय की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाया गया और कॉ ए के रॉय हम तुम्हें नहीं भूलेंगे, कॉ रॉय को लाल सलाम के गगनभेदी नारे लगाए गये। समारोह और सभा शुरू होने से पहले अभय सुंदरी और नूपुर डांस ग्रुप द्वारा वेलकम डांस और सांस्कृतिक गीत प्रस्तुत किया गया।

समारोह और सभा की अध्यक्षता स्मारक आयोजन समिति के अध्यक्ष कॉ हरि प्रसाद पप्पू ने किया। काशीनाथ चटर्जी ने उद्घाटन करते हुए कहा कि डेमोक्रेसी और संविधान पर बड़ा हमला है, इन काली ताकतों के खिलाफ मार्क्सवादी दर्शन ही लड़ सकता है, जिसे कॉमरेड ए के रॉय ने आत्मसात किए थे। अंतिम और मुख्य वक्ता विधायक कॉ अरूप चटर्जी ने कहा कि कॉ ए के रॉय झारखंड आंदोलन के मुख्य सूत्रधार थे। उनके संघर्षों को भुलाया नहीं जा सकता है। कॉ ए के रॉय किसी चीज के लिए मोहताज नहीं थे। हमलोग उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाएंगे। आयोजकों को हम धन्यवाद देते हैं, जो कॉ रॉय के जयंती का आयोजन किए। माले नेता व धनबाद के प्रभारी कॉ जनार्दन प्रसाद ने कहा भाजपा सरकार जिस तरह से कॉरपोरेट घराने को लाभ पहुंचाने के लिए मजदूर किसानों पर दमनकारी नीति जारी कर रहा है। कॉ ए के रॉय जयंती पर संकल्प लें झारखंड को लालखंड में बदलने का यही कॉ रॉय का सपना थे। सीपीआई(एम) राज्य सदस्य शिव बालक पासवान ने कहा कि कॉ राय हमें साम्राज्यवादी और फासीवादी ताकत से लड़ने के लिए एकजुट संघर्ष करना होगा। अन्य वक्ताओं में विधायक कॉ चंद्रदेव महतो ने कॉ ए के रॉय जयंती पर मजदूर किसानों के आंदोलन का प्रतीक थे। सभा का अभिनंदन आयोजन समिति सचिव सत्यनारायण कुमार ने किया, जबकि संचालन सुभाष चटर्जी ने किया। अन्य वक्ताओं में सीटू जिला अध्यक्ष आनंदमय पाल व महामंत्री राम कृष्णा पासवान, माले जिला सचिव विंदा पासवान, बियाडा पूर्व अध्यक्ष विजय झा, सम्राट चौधरी, अजय महतो, राणा चट्टराज समेत अन्य साथी शामिल थे।

बलियापुर (ससे) : प्रख्यात मजदूर नेता व मार्क्सवादी विचारक पूर्व सांसद स्व एके राय की जयंती पर बीबीएम इंटर कॉलेज विकास समिति की ओर से कॉलेज प्रांगण में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोगों ने पूर्व सांसद स्वर्गीय राय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्य अतिथि सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने पूर्व सांसद स्व. राय द्वारा धनबाद कोयलांचल में किसान मजदूर एवं गरीब दलितों के हक अधिकार के लिए चलाए गए आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्हें महान क्रांतिकारी बताया। वही विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक आनंद महतो ने भी पूर्व सांसद स्व. राय को किसान मजदूर एवं गरीब दलितों का मसीहा बताया। कहा कि बीबीएम कॉलेज का आधारशिला स्व. राय ने रखी थी। ग्रामीण बच्चे उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़े। मौके पर कॉलेज विकास समिति के सचिव मुखिया गणेश महतो, समिति के कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद अग्रवाल, गुरु चरण सिंह, संतोष रवानी, काशीनाथ मंडल, आशीष चटर्जी, प्राचार्य डॉ राकेश कुमार महतो, प्रो अमीन कुमार महतो, प्रो अनिता कुमारी, प्रो शर्मिष्ठा कुमारी, प्रो दिनेश कुमार, सुशील महतो आदि थे। संचालन प्रोफेसर वरुण कुमार सरकार कर रहे थे।

जोड़ापोखर (ससे) : बिहार कोलियारी कामगार यूनियन सीटू के क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय अध्यक्ष रंजीत यादव की अध्यक्षता में बीसीकेयू के संस्थापक अध्यक्ष पूर्व सांसद कॉ एके राय का ९१वां जंयती मनाई गई अतिथि राकोमयु के संयुक्त महामंत्री एसके शाही ने कहा कि एके राय साहब का व्यक्तित्व बहुत बड़ा रहा है कोयलांचल के मजदूरों का मशीहा थे कार्यक्रम में स्व प्रथम एके राय साहब के तसबीर पर फूल चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर मोती हेम्ब्रम, पुरूषोत्तम महतो, प्रदीप भट्टाचार्य, गौतम पात्रा, सहदेव मांझी, नारायण बाउरी, सुखू रवानी, प्रभात कुमार, चंदन पासवान एवं अनेक मजदूर मौजूद थे।

हादसे में प्रेमी की मौत, प्रेमिका इलाजरत

महुदा (ससे) : तोपचांची थाना क्षेत्र में एक रहस्यमय घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कोटालडीह गांव की रहने वाली २२ वर्षीय सरस्वती कुमारी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली, जबकि उसके साथ मौजूद युवक श्रीकांत कुमार की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तरहतरह की चर्चाएं हो रही हैं और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, सरस्वती कुमारी बीती रात शाम अपने परिचित श्रीकांत कुमार के साथ बिना परिजनों को बताए घर से निकल गई थी। बताया जाता है कि दोनों महुदा क्षेत्र पहुंचे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात परिस्थिति में दोनों हादसे का शिकार हो गए। सूचना मिलने पर रेलवे कर्मियों और पुलिस की मदद से घायल युवती को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, सरस्वती के दोनों पैरों में गंभीर फ्रैक्चर हुआ है और उसका इलाज जारी है। वहीं, घटना में घायल हुए श्रीकांत कुमार की मौत हो चुकी है। युवती के पिता ने बताया कि उन्हें अस्पताल से फोन कर घटना की जानकारी दी गई थी, उन्होंने कहा कि उनकी बेटी घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती है, जबकि उसके साथ गया युवक अब इस दुनिया में नहीं रहा। फिलहाल घटना को लेकर रहस्य बरकरार है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों रेलवे ट्रैक के पास कैंसे पहुंचे, हादसा कैंसे हुआ और युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मेयर की पहल पर आश्रित पुत्र को मिला नियोजन

झरिया (ससे) : बीसीसीएल पीबी एरिया में कार्यरत बोरागढ़ निवासी कर्मचारी स्व. धीरेंद्र नाथ सरदार के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिवार पर आए संकट की घड़ी में धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आश्रित पुत्र को तत्काल नियोजन दिलाने की पहल की। जानकारी के अनुसार, मजदूर नेता एवं पूर्व विधायक स्व. सूर्यदेव सिंह की ३५वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान मेयर संजीव सिंह को सूचना मिली कि बीसीसीएल पीबी एरिया में कार्यरत धीरेंद्र नाथ सरदार की कार्य के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से अस्पताल में मौत हो गई है। साथ ही यह भी जानकारी मिली कि मृतक के आश्रित को नियोजन देने के मामले में बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा टालमटोल की जा रही है। सूचना मिलते ही मेयर संजीव सिंह कार्यक्रम स्थल से सीधे संबंधित अधिकारियों एवं प्रबंधन के संपर्क में आए तथा मामले को गंभीरता से उठाया। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन से वार्ता कर मृतक के छोटे पुत्र प्रेम सरदार को आश्रित के रूप में स्थायी नियोजन देने की मांग की। मेयर की पहल और हस्तक्षेप के बाद प्रबंधन ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए प्रेम सरदार के नियोजन की प्रक्रिया को तत्काल पूरा कर नौकरी सुनिश्चित कर दी। मेयर संजीव सिंह ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने कमाने वाले सदस्य को खोना सबसे बड़ा दुख होता है। ऐसे समय में प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि स्व. धीरेंद्र नाथ सरदार के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, लेकिन आश्रित को रोजगार मिलने से परिवार को आर्थिक संबल मिलेगा। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मजदूर हित और उनके परिवारों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और आगे भी हर जरूरतमंद परिवार के साथ खड़ा रहूंगा।

ग्रामीणों ने बरामद किया कटे लोहे का जखीरा

झरिया (ससे) : झरिया क्षेत्र में बीसीसीएल के बंद पड़े करोड़ों मूल्य के रोपवे अवैध कटाई करने वाले गिरोहों के निशाने पर हैं। आरोप है कि विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर रोपवे के लोहे की चोरी और कटाई की जा रही है, जिससे सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंच रहा है। ताजा मामला भौंरा ओपी क्षेत्र के जहाजटांड़ का है, जहां ग्रामीणों ने कथित रूप से काटकर जमा किए गए लोहे का बड़ा जखीरा बरामद किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद पुलिस ने समय पर कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से बीसीसीएल की बंद पड़ी संरचनाओं की अवैध कटाई का कारोबार चल रहा है। कई बार इसको लेकर ग्रामीणों और कथित चोरों के बीच विवाद की स्थिति भी बनी है। स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ स्थानों पर तनाव इतना बढ़ा कि गोलीबारी की घटनाएं भी हुईं, लेकिन इसके बावजूद अवैध कारोबार पर रोक नहीं लग सकी।

सुबह जहाजटांड़ के ग्रामीणों ने अवैध रूप से काटे गए लोहे का जखीरा बरामद कर इसकी सूचना स्थानीय थाना, डीएसपी, एसपी और अन्य वरीय अधिकारियों को दी। ग्रामीणों का आरोप है कि कई घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची और न ही बरामद लोहे को अपने कब्जे में लेने की कोई कार्रवाई की गई।

स्थानीय किसान नेता सह ग्रामीण खेमलाल मुर्मू ने कहा कि हम लोगों ने जिम्मेदारी निभाते हुए कटे हुए लोहे को सुरक्षित रखा और पुलिस को सूचना दी, लेकिन कार्रवाई के बजाय हमारे साथ अभद्र व्यवहार किया गया। कुछ लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी भी दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध कटाई पर रोक नहीं लगाई गई तो बीसीसीएल की करोड़ों रुपये की संपत्ति पूरी तरह खत्म हो सकती है। लोगों का आरोप है कि यह संगठित गिरोहों द्वारा संचालित अवैध कारोबार है, जिससे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पुलिस के वरीय अधिकारियों और बीसीसीएल प्रबंधन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बंद पड़े रोपवे और अन्य औद्योगिक संरचनाओं की सुरक्षा के लिए नियमित निगरानी और विशेष अभियान चलाने की भी मांग उठाई है।

राहगीरों के बीच शर्बत का वितरण

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआ बाजार स्थित श्री श्री सत्यनारायण ठाकुर बाड़ी मंदिर सेवा समिति के द्वारा पुरुषोत्तम मास के पवित्र माह के सोमवती अमावस्या के अवसर पर आम राहगीर के बीच केन्दुआपुल मेन रोड में नीबू पानी शर्बत (शिकंजी) का वितरण किया गया। इस पुनीत कार्य में मंदिर के पुजारी सह पत्रकार रमेश तिवारी, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सह मंदिर सेवा समिति के सदस्य पंकज भुवानिया, कालू मानकाशिया, राम चौरसिया, बच्चन शर्मा, उपेंद्र श्रीवास्तव, सचिन कुमार, मंटू खंडेलवाल, छोटू गुप्ता, शानू केडिया, पटल गुप्ता आदि का अहम् योगदान रहा।

देशी शराब दुकान से अंग्रेजी शराब बरामद

बलियापुर (ससे) : सांवलापुर चेक पोस्ट के पास देसी शराब की दुकान में अवैध ढंग से अंग्रेजी शराब बिक्री किए जाने के विरुद्ध बलियापुर पुलिस ने छापामारी कर भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड के अंग्रेजी शराब की बोतले बरामद किया है। उक्त शराब दुकान के आड़ में अपने काउंटर के पीछे कमरे में दुकानदार द्वारा भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की बोतले बिक्री हेतु रखी गई थी। इसकी सूचना बलियापुर पुलिस को मिलने पर पुलिस ने उक्त देसी शराब की दुकान में छापामारी की। जहां दुकान के काउंटर के पीछे कमरे में अंग्रेजी शराब की बोतले बरामद किया है। पुलिस के छापामारी के दौरान मौका पाकर दुकानदार भागने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार उक्त दुकानदार ने देसी शराब की बिक्री हेतु लाइसेंस बना रखी है। किंतु इसके आड़ में उसके द्वारा अवैध ढंग से अंग्रेजी शराब की बिक्री की जा रही थी। छापामारी के दौरान पुलिस ने दुकानदार से जप्त अंग्रेजी शराब के कागजात की मांग की। किंतु वह भाग निकला। जप्त अंग्रेजी शराब में ३९ बियर की बोतले एवं विभिन्न ब्रांड के छोटे बड़े १५५ अंग्रेजी शराब की बोतले बरामद की है। इस संबंध में बलियापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया की गई है। जिसमें दुकान के लाइसेंसधारी मनित चौजर एवं जितेंद्र पटेल को नामजद आरोपी बनाया गया है।

डिगवाडीह डीएवी स्कूल में कार्यशाला शुरू

जोड़ापोखर (ससे) : क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र,डीएवी झारखण्ड जोन-सी,धनबाद द्वारा डीएवी सीएमसी, दिल्ली के सेंटर फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के तत्वावधान में डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई परिसर में तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस दौरान आठ विद्यालयों से १७२ शिक्षकशिक्षिकाएँ प्रशिक्षण ले रहे हैं। कार्यशाला का उद्घाटन डीएवी मॉडल स्कूल की प्राचार्या महुआ सिंह, विषयवार मास्टर ट्रेनर ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्या महुआ सिंह ने सभी मास्टर ट्रेनर एवं प्रतिभागी शिक्षकशिक्षिकाओं का स्वागत करते हुए कहा कि डीएवी संस्थान प्रत्येक वर्ष दो चरणों में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति२०२० में शिक्षा व्यवस्था के रूपांतरण के लिए प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण आधार माना गया है। इसका उद्देश्य केवल साक्षरता बढ़ाना नहीं, बल्कि कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना और शिक्षकों का सतत् व्यावसायिक विकास सुनिश्चित करना है। इस कार्यशाला में डीएवी झारखण्ड जोन सी के सभी आठ स्कूल डीएवी सीएफआरआई, डीएवी कोयलानगर, डीएवी जामाडोबा, डीएवी लोदना,डीएवी अलकुशा, डीएवी कुसुण्डा, डीएवी मुनीडीह, डीएवी बरोरा ने भाग लिया तथा यहाँ अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान विषय के प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक के प्रशिक्षण कार्य हो रहे हैं, जो १५ से १७ जून तक चलेगी।

सूर्यदेव सिंह की मनी पुण्यतिथि

कतरास/झरिया (ससे) : मज़दूरों के हक और अधिकारों की लड़ाई के प्रतीक, मजदूर मसीहा स्व. सूर्यदेव सिंह की ३५वीं पुण्यतिथि के अवसर पर झरिया के कतरास मोड़ स्थित जनता मजदूर संघ के केंद्रीय कार्यालय में एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कोयलांचल के कोनेकोने से आए लोगों ने अपने जनप्रिय नेता को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से धनबाद नगर निगम के मेयर संजीव सिंह और झरिया की लोकप्रिय विधायक रागिनी सिंह ने स्व. सूर्यदेव सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही वार्ड नंबर ५ की पार्षद निरुपमा देवी ने भी सभा में उपस्थित होकर मजदूर मसीहा को नमन किया।

इस पावन अवसर पर भारी संख्या में स्थानीय मज़दूरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं जनता मज़दूर संघ के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। पूरा कार्यालय परिसर सूर्यदेव सिंह अमर रहें के नारों से गूंज उठा। वक्ताओं ने कहा कि स्व. सूर्यदेव सिंह का जीवन संघर्ष और सेवा की अनूठी मिसाल था। उन्होंने ताउम्र शोषितों और मज़दूरों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

प्रेस समाज का सशक्त प्रहरी है : मनोज मिश्रा

सिंदरी (ससे) : नेहरू मैदान समीप के आयोजित एक सादगीपूर्ण एवं गरिमामय कार्यक्रम में भारतीय मीडिया फाउंडेशन एवं राष्ट्रीय समाचार पत्र के प्रेस फोटोग्राफर राजकुमार शर्मा का जन्मदिवस भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पत्रकार बंधुओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजकुमार शर्मा द्वारा केक काटकर जन्मदिवस समारोह का शुभारंभ किया गया। उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनबाद जिला ग्रामीण भाजपा के निवर्तमान जिला महामंत्री मनोज मिश्रा ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकार एवं प्रेस फोटोग्राफर समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक समाचारों के माध्यम से जनहित की आवाज को सशक्त बनाते हैं। समाज निर्माण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज की आंख और कान होते है। उनके अथक परिश्रम एवं समर्पण के कारण आम जनता तक सही और विश्वसनीय जानकारी पहुंचती है। उन्होंने राजकुमार शर्मा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर निवर्तमान जिला महामंत्री मनोज मिश्रा,पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सिंह, रवि कुमार, मुन्ना कुमार, रमेश यादव, सूरज सिंह, संजय गुप्ता, लालू कुमार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं प्रेस जगत से प्रेम कुमार शर्मा, गणेश कुमार, कुलबीर सिंह एवं जन्मदिवस के अवसर पर सम्मानित प्रेस फोटोग्राफर राजकुमार शर्मा सहित कई पत्रकार बंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा सभी उपस्थित लोगों ने राजकुमार शर्मा के जन्मदिवस को यादगार बनाने में सहभागिता निभाई।

डीआरएम कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद (कासं) : डीआरएम कार्यालय धनबाद में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा वाणिज्य विभाग के १० कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन्होनें नवाचार, डिजिटलीकरण, यात्री सुविधा संवर्धन तथा राजस्व वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पंकज भूषण, अमृता भगत एवं मुस्कान झा द्वारा रेलवे परिसंपत्तियों के प्रभावी निरीक्षण एवं प्रबंधन हेतु रेल एसेट्स इंस्पेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम वेब एप्लीकेशन के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है, जिससे कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं तकनीकआधारित बनाने में सहायता मिली है।

इसी प्रकार कृष्ण कुमार कन्हैया द्वारा धनबाद मंडल के आरक्षण काउंटरों के उन्नयन, डिजिटलीकरण तथा ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य किए गए हैं। उनके प्रयासों से यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, आधुनिक एवं सुगम टिकटिंग सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, रूद्र नन्द झा (मुख्य वाणिज्य निरीक्षक), नवीन कुमार, बिपिन बिहारी लाल, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार तथा आशुतोष कुमार सिन्हा द्वारा टिकट जांच एवं टिकट आय वृद्धि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्चतम राजस्व अर्जित किया है तथा मंडल की आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि कर्मचारियों की उपलब्धियाँ उनके व्यक्तिगत परिश्रम के परिणाम के साथ-साथ उनके परिवारजनों के निरंतर सहयोग, त्याग, प्रोत्साहन एवं विश्वास का भी इसमें समान रूप से महत्वपूर्ण योगदान होता है। परिवार का सहयोग भी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्टता के साथ करने की प्रेरणा प्रदान करता है। धनबाद मंडल प्रशासन सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के योगदान की सराहना करता है तथा विश्वास व्यक्त करता है कि उनके संयुक्त प्रयास भविष्य में भी रेलवे की कार्यकुशलता, डिजिटल परिवर्तन, राजस्व संवर्धन एवं यात्री सुविधाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। इस सम्मान समारोह में मंडल के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा सम्मानित कर्मचारियों के परिवारजन भी उपस्थित थे।

नशामुक्त को ले निकाली प्रभात फेरी

जोड़ापोखर (ससे) : उत्क्रमित उच्च विद्यालय जीनागोड़ा में निषिद्ध मादक पदार्थ रोक थाम प्रहरी क्लब के द्वारा उत्क्रमित उच्च विद्यालय जीनागोड़ा के पोषक क्षेत्रों में वर्ग ९ और १० के बच्चों और प्रहरी क्लब के सदस्यों द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया क्लब के द्वारा पोषक क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों को नशामुक्त समाज बनाने हेतु प्रचार प्रसार करते हुए प्रोत्साहित किया गया तथा एक नशामुक्त समाज और देश बनाने का संकल्प लिया गया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक हरी महतो, कुन्दन सिंह चौधरी, संजय कुमार, ओम प्रकाश लाल, विकास कुमार महतो, इन्द्रारानी पाल, सुनीता कुमारी आदि मौजूद थी।

निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान का शुभारंभ

बोकारो (ससे): निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सोमवार को समाहरणालय परिसर से एलईडी प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से प्रचार वाहन को रवाना किया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गीत - संगीत के माध्यम से नशे को ना, जिंदगी को हां... का संदेश दिया गया।

इस अवसर उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, डीडीसी एवं अन्य अधिकारियों ने जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा गुब्बारे उड़ाकर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान विभिन्न विभागों द्वारा १५ से २६ जून तक जारी रहेगा। इसके बाद उपायुक्त अजय नाथ झा ने उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने देश, समाज, परिवार एवं स्वयं को नशामुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने तथा युवाओं को अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। उपस्थित सभी लोगों ने शपथ का क्रमवार दोहराव किया। शपथ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं, पर्यवेक्षिकाएं एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु स्वयं जागरूक रहने तथा अपने परिवार, समुदाय एवं कार्यक्षेत्र में भी लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। यह एलईडी प्रचार वाहन आगामी दिनों में जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर निषिद्ध मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों एवं नशा मुक्ति के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगा। वाहन के माध्यम से एलईडी स्क्रीन पर जागरूकता संबंधी वीडियो, संदेश एवं अन्य सूचनात्मक सामग्री प्रदर्शित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ा जा सके। इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। बोकारो जिले में पूर्व से ही इस दिशा में लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं और आज जागरूकता प्रचार वाहन को रवाना कर अभियान को और गति प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। अंततः इसका असर समाज, राज्य और देश की प्रगति पर भी पड़ता है। इसलिए नशे को छोड़कर जीवन को संवारना और अपने भविष्य को बेहतर बनाना अत्यंत आवश्यक है। उपायुक्त ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे नशे से दूर रहने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जो लोग नशे की लत का शिकार हो चुके हैं, उनके लिए इससे बाहर निकलना कठिन अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं। आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छाशक्ति और एक मजबूत 'ना' कहने की है। संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ नशामुक्त जीवन की शुरुआत की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए इसकी आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। नशीले पदार्थों की सप्लाई से जुड़े स्रोतों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। पिछले कुछ दिनों में जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा कई कड़े कदम उठाए गए हैं। प्रशासन नशे के नेटवर्क को बेनकाब कर उसकी जड़ों तक पहुंचने और उसे पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिले को *नशामुक्त बनाने के लिए सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है। पंचायत, प्रखंड एवं सामाजिक स्तर पर जागरूकता गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर अभियान संचालित किए गए हैं। जहां आवश्यक पाया गया है, वहां कार्रवाई भी की गई है तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से आगे भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि लोगों को यह संदेश दिया जा सके कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित कर उसे संकट में डाल देता है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिला प्रशासन की इस पहल को सफल बनाने के लिए सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग की आवश्यकता है। सामूहिक प्रयास से ही जिले को नशामुक्त बनाया जा सकता है तथा युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान किया जा सकता है।

सड़क हादसा मैजिक चालक गंभीर रूप से घायल

नावाडीह (बेरमो): नावाडीह प्रखंड अंतर्गत बगजोबरा पुल के समीप एक सड़क दुर्घटना में मैजिक वाहन का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि नया मैजिक वाहन रांची से देवघर शोरूम की ओर जा रहा था। इसी दौरान दुर्घटना में चालक को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों एवं भालमारा पंचायत के झामुमो अध्यक्ष तुलसी महतो ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक की मदद की और उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चालक का एक पैर पूरी तरह फ्रैक्चर हो गया है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल चास रेफर कर दिया गया है ।

बीएसएल में विश्व रक्तदान शिविर आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल के रक्त केंद्र परिसर में सेल एससी/एसटी एम्प्लाइज फेडरेशन तथा सीआईएसएफ, बीएसएल-बोकारो यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) द्वारा किया गया. इस अवसर पर कुल २२ यूनिट रक्त संग्रहित किया गया.

अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने कहा कि रक्तदान महादान है तथा दान की गई रक्त की एक इकाई किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति अथवा गंभीर रूप से बीमार मरीज के जीवन की रक्षा कर सकती है. उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल जीवन बचाने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह समाज में सेवा, करुणा एवं मानवता की भावना को भी सुदृढ़ करता है. उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया.इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में सेल एससी/एसटी एम्प्लाइज फेडरेशन तथा सीआईएसएफ, बीएसएल-बोकारो यूनिट के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा. साथ ही, बोकारो जनरल अस्पताल के रक्त केंद्र के चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं अन्य सहकर्मियों ने शिविर के सुचारु संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई.

5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में बीएसएल की टीमों ने लहराया परचम

बोकारो (ससे): विगत १२ एवं १३ जून को वाराणसी में क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) द्वारा आयोजित ५एस के १२वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में शामिल बीएसएल की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए हैं.

इस दो दिवसीय अधिवेशन में देश के विभिन्न उद्योगों एवं संस्थानों की टीमों ने भाग लिया.५एस के १२वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में सेल-बोकारो स्टील प्लांट की कुल १५ टीमों ने भाग लिया और नवाचार से जुड़े अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए. इन टीमों ने गुणवत्ता सुधार, कार्यकुशलता वृद्धि, संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता से जुड़े विषयों पर अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए जिसके आधार पर बीएसएल की आठ टीमों को पार एक्सीलेंस, पाँच टीमों को एक्सीलेंस तथा दो टीमों को डिस्टिंगुइशड पुरस्कार प्राप्त हुए.

पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीतने वाली टीमों में पावर इंजीनियरिंग ब्रिगेड विभाग की टीम जिज्ञासा, ईटीएल विभाग की टीम शक्ति, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की टीम क्षितिज एवं जज़्बा, सीओ एंड सीसी विभाग की टीम प्रगति, ड्रीम और परिवर्तन तथा ट्रैफिक विभाग की टीम सृजन ज्योति शामिल हैं.

एक्सीलेंस पुरस्कार जीतने वाली टीमों में हॉट स्ट्रिप मिल विभाग की टीम रेडियन्स, कोल्ड रोलिंग मिल -३ की टीम सक्षम एवं स्पार्क, डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क विभाग की टीम ग्रीन पावर तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की टीम तेज शामिल हैं. इसके अलावा बीएसएल के सीआरएम-१ एंड २ की टीम सुचिता तथा सीओ एंड सीसी विभाग की टीम उत्कल ने भी डिस्टिंगुइशड पुरस्कार प्राप्त किए.

उल्लेखनीय है कि ५एस के १२वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन के दौरान गुणवत्ता प्रबंधन, नवाचार एवं सतत सुधार की संस्कृति को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया. प्रतिभागियों ने अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से संगठनात्मक विकास एवं कार्यस्थल उत्कृष्टता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया.

भारतीय सेना में चयनित युवाओं को किया गया सम्मानित

डुमरी (ससे): गुप्ता डिफेंस अकेडमी डुमरी में सोमवार को एक सादे समारोह का आयोजन कर सेना में चयनित अकेडमी के पांच छात्रों को सम्मानित किया।भारतीय सेना में चयनित होकर अपने सफलता का परचम लहराते हुए अपने परिवार के साथ साथ अपने क्षेत्र और अकेडमी का नाम भी रोशन किया है।रंजित कुमार महतो (मंगलुअहार),रोहित कुमार (बालुटुण्डा), विशाल कुमार (पोरदाग),रंजित कुमार साव (मंगलुअहार),निकेश कुमार महतो (मुंडरो बगोदर) का चयन भारतीय सेना में हुआ है।

मुख्य अतिथि धनंजय प्रसाद (ज़िप सदस्य) प्रकाश यादव (स्नैक सेवर), विकास वर्णवाल (स्टेशन मास्टर) तथा बिनोद कुमार (गुप्ता डिफेंस अकेडमी के संचालक) ने सभी चयनित नौजवानो को बुके और तिरंगा पट्टी पहनाकर सम्मानित किया और अकेडमी में तैयारी कर रहे नौजवानो का हौंसला बढ़ाया।

राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में झाएकिमयू ने उठाए फसल नुकसान के मुद्दे

डुमरी (ससे): सिफा द्वारा महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में झारखंड से आमंत्रित झारखंड एकता मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने झारखंड के किसानों, आदिवासियों और मजदूरों से जुड़े गंभीर मुद्दों को मजबूती से उठाया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने भूमि अधिग्रहण,एनडीआरएफ राहत और जंगली जानवरों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान जैसे विषयों पर सरकारों का ध्यान आकर्षित किया।संबोधन की शुरुआत जोहार के साथ करते हुए गंगाधर महतो ने कहा कि झारखंड राज्य के गांवों की पहचान उनकी जमीन,जंगल और नदियों से है परंतु आज बड़े प्रोजेक्ट व औद्योगिक योजनाओं के नाम पर किसानों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है।कई स्थानों पर किसानों और ग्राम सभाओं की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाती है जिससे लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ता है।

कहा कि किसान विकास के विरोधी नहीं हैं पर उनकी सहमति के बिना होने वाला विकास स्वीकार्य नहीं है।उन्होंने किसानों को मिलने वाली आपदा राहत राशि में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की कहा कि झारखंड में हर वर्ष सूखा,बाढ़ और ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाएं किसानों की मेहनत पर पानी फेर देती हैं।आपदा की सहायता राशि केंद्र से मिलने के बावजूद किसानों तक पहुंचने में कई महीने लग जाते हैं।मांग किया कि प्राकृतिक आपदा के बाद सात दिनों के भीतर सर्वेक्षण पूरा किया जाए और पंद्रह दिनों के अंदर राहत राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाए।उन्होंने कहा कि फसल नुकसान की स्थिति में किसानों को ३० दिनों के भीतर १०० प्रतिशत मुआवजा दिया जाए साथ ही जंगल से सटे क्षेत्रों में सोलर फेंसिंग और अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किए जाएं।उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की भी मांग की।कहा कि यदि किसान और मजदूर मजबूत रहेंगे तभी देश की कृषि व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा मजबूत रह सकेगी।

जिला ग्रामीण विकास शाखा, चतरा

सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि चतरा जिला में मनरेगा अन्तर्गत प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, तकनीकी सहायक(सहायक / कनीय अभियंता के समकक्ष), लेखा सहायक एवं कम्प्यूटर सहायक के पद पर नियुक्ति हेतु अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों के मेधा एवं प्रतीक्षा सूची को एक पद विशेष के लिए एक से अधिक जिला में आवेदन करने संबंधी सत्यापन हेतु सभी जिला को भेजा गया था जिसमें से कुछ जिलों द्वारा सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है जिसके अनुसार चतरा जिला के अतिरिक्त अन्य जिलों में आवेदन किये जाने की पुष्टि हुई है, जो निम्नवत् है:–

क्र0	आवेदन सं0	चयनित अभ्यर्थी का नाम	पद का नाम	चतरा जिला के अतिरिक्त अन्य जिला का नाम
1	576217300192	SHASHI KUMAR PATHAK	लेखा सहायक	खूँटी
2	574217299393	MD ASAAR AKHTAR SHAMSI	तकनीकी सहायक(सहायक अभियंता के समकक्ष),	धनबाद
3	575217297872	MUKESH KUMAR RABIDAS	तकनीकी सहायक(कनीय अभियंता के समकक्ष),	धनबाद
4	575217298905	RAVI RANJAN KUMAR	तकनीकी सहायक(कनीय अभियंता के समकक्ष),	धनबाद एवं पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर
5	575217299629	RAM RATAN	तकनीकी सहायक(कनीय अभियंता के समकक्ष),	कोडरमा
6	575217298821	PRADEEP KUMAR GUPTA	तकनीकी सहायक(कनीय अभियंता के समकक्ष),	पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर

उपरोक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति, सेवा शर्त एवं कर्त्तव्य नियमावली–2007 एवं संशोधित नियुक्ति, सेवा शर्त एवं कर्त्तव्य नियमावली–2017 एवं विज्ञापन संख्या–01 / 2023–24 के कण्डिका–6 के उपकण्डिका (viii) में स्पष्ट वर्णित प्रावधान के आधार पर चयन रद्द किया जाता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक,
चतरा।

PR 382406 Rural Development(26-27)D

District AYUSH Society, JAMTARA

Annexure-III

Advt ....01/2026.....

Recruitment Notice

Recruitment for DPMU cell on contract basis at District AYUSH Society, Jamtara

National AYUSH Mission (NAM), Jharkhand, is commited to provide accessible, affordable and accountable quality health services to the last person of the last household at the last village. The thrust is on establishing a fully functional, community owned, decertralized health delivery system with intersectoral convergence at all levels, to ensure simultaneous action on & wide range of health determinants such as Water, sanitation, education, nutrition,social and gender equality.

NAM, Jharkhand is seeking online applications from eligible candidates for the following position for District AYUSH Society, Jamtara Government of Jharkhand:-

Sl.No	Name of Post	Number of Post	Remuneration (Rs./month)	Qualification & Eligibility Criteria
1	District Programme Manager	1(UR)	Rs.50,000/-	**Essential Minimum Qualification:** Graduation degree in any discipline including AYUSH and MBA in Healthcare Management/Masters in health/hospital administration/post Graduation diploma in Hospital & healthcare management (Two years) from AICTE recognized institute. **Essential Minimum Experience:** Minimum 1 year working experience in public health programme Exposure in social schemes/missions at national, state and district Level. **Required Minimum Competencies:** Computer Knowledge including MS Office, MS Word, MS Power Point, and MS Excel would be desirable. **Note:** Preference will be given to persons having experience of working in Health sector including AYUSH.

Terms of Engagement:

1. Contractual employment will be made for 1 year from the date of appointment. However, contract may be extended or terminated on the basic of satisfactory/unsatisfactory service without any notice.
2. **Age limit:** Minimum -21 years Maximum – 60 years as or 1st Aug 2023.
3. **Last date for receiving the application** is date-02-07-2026 at 05:00 PM. Application received after last date/time will be refused/rejected.
4. **The** successful candidates will be required to excute contractual agreement and their services will be guided by the service rules of NAM.
5. **How to apply**: Fill the FORM along with the required documents and submit form by Speed Post and **EMAIL ID-** damojmt@gmail.com and make the payment i.e 1,000/-for each application by DD method deposit on the favour of **District AYUSH Medical Officer, Jamtara**. Both are cumpulsary. Post address- **District AYUSH Medical officer, Sadar Hospital Campus, Combined Building Road Sonathar, Jamtara, Pin Code-815351**
6. **For more information related to this advertisement visit webside of NIC of Jamtara district.**

District AYUSH Medical Officer
Jamtara

PR 382367 District (26-27)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/02/2026-27

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के नावाडीह–2 आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
2	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के आमडीहा लुकुडीह आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
3	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के बोड़दाह आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
4	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के रूगरीडीह आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
5	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के बनसारा आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
6	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के सितानाला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
7	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के साहु टोला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
8	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के कान्दु टोला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
9	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के रमरमरवा आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
10	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के सियारी उपर टोला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
11	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के आशा सेवा केन्द्र आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
12	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के ततरियाटाँड़ आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
13	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के होसिर स्कूल के पीछे आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
14	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के दर्जी मोहल्ला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
15	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के दलाल टोला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
16	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के पुण्डरूदाग आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
17	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के चटनिया टोला आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
18	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के बोरियाडीह–1 आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
19	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के बोरियाडीह–2 आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
20	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के सांधबोआ–2 आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
21	बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी प्रखंड के आद्राकुड़ी नीचे आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 23.06.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 23.06.2026 से दिनांक 01.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 03.07.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,बोकारो

PR 382375 Rural Development(26-27).D

JHARIA REHABILITATION AND DEVELOPMENT AUTHORITY, DHANBAD

e-Procurement Notice

Tender Reference No: JRDA/ Skill & Livelihood /26-27/01/ **Date:**

1.	Name of Work	RFP for " Selection of an Agency for Residential skill Development Training Program under JRDA at Belgaria Dhanbad
3.	EMD	Rs. 500000
5.	Time of Completion	02 Years
6.	Date/Time from which bid is available for online bidding	18.06.2026 at 04:00 PM
7.	Last Date/Time for on-line submission of bids	14.07.2026 at 05:00 PM
8.	Date and Time of Bid Opening	15.07.2026 at 11:30 AM
9.	Name and Address of Officer inviting tender	Head of Department (Skill Development & Livelihood), JRDA, Dhanbad Hatia More, Golf Ground Road, Hirapur, Dhanbad - 826001 Jharkhand, India Email: infojrda.dhn@gmail.com

Note : 1. Only e-tenders will be accepted.
2. Further details can be seen on website – https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Head of Department
(Skill Development & Livelihood)
JRDA, Dhanbad

PR.NO.382437 District(26-27):D

उप विकास आयुक्त –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का कार्यालय, जिला परिषद, बोकारो

–:: सूचना ::–

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला परिषद, बोकारो की सामान्य बैठक में पारित प्रस्ताव के आलोक में जिला परिषद के विभिन्न स्थानों में भवनों का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के अन्तर्गत सूचीबद्ध वास्तुविद्/परामर्शी से भवनों का डी0पी0आर0 तैयार कराया जाना है। इच्छुक सूचीबद्ध वास्तुविद्/परामर्शी भवनों का डी0पी0आर0 तैयार करने से संबंधित दर दिनांक 22.06.2026 तक निबंधित डाक द्वारा जिला परिषद कार्यालय, बोकारो में अपना भाव पत्र समर्पित कर सकते है। आवश्यकतानुसार भवनों का Front Look Design एवं Building Elevation संबंधी PPT की माँग की जायेगी। डी0पी0आर0 तैयार किये जाने संबंधी भवनों की विवरणी निम्नवत् है :–

क्र0सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	योजना का प्रकार
1.	चास	जिला परिषद कार्यालय परिसर के खाली भू–खण्ड पर बहुद्देशीय भवन का निर्माण।	200' X 200'= 40,000 Sqft. भूमि G+2, भूतल में विवाह मंडप, एक रेस्टुरेन्ट, प्रथम तल में 15 अदद् कमरा एवं 01 सभा कक्ष। द्वितीय तल में 15 अदद् कमरा एवं 05 अदद् SUITE ROOMS
2.	चास	महावीर चौक, चास स्थित जिला परिषद की भूमि पर मीनी मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण।	66' x 69' =4,554 Sqft. भूमि G+2, भूतल में पार्किंग एरिया एवं मंडप, प्रथम तल पर 20 अदद् दुकान, द्वितीय तल पर 20 अदद् दुकान।
3.	चास	पुपुनकी स्थित जिला परिषद की भूमि पर रिसॉर्ट एवं वाटर पार्क का निर्माण।	05 एकड़ पर रिसॉट एवं 05 एकड़ पर वाटर पार्क
4.	गोमिया	गोमिया डाक बंगला परिसर के बगल में मॉडल विवाह मंडप का निर्माण।	196'0" x 177'6" भूमि

उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यपालक, पदाधिकारी,
जिला परिषद, बोकारो।

PR 382364 (Urban Development) 26-27 (D)

सीएम सम्राट चौधरी ने 170 करोड़ के टेक्नोलॉजी सेंटर का किया शिलान्यास

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज गयाजी का दौरा कर राज्य के औद्योगिक और तकनीकी विकास को एक नई रफ्तार दी। मुख्यमंत्री ने यहां १७० करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी सेंटर का शिलान्यास किया, जिसे पूर्वी भारत में टेक्निकल ट्रेनिंग और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट का एक बड़ा हब माना जा रहा है। इस मौके पर उनके साथ केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने न सिर्फ गयावासियों को अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और फल्गु नदी को लेकर दो बड़ी सौगातें दीं, बल्कि राज्य के कोचिंग संस्थानों को लेकर भी एक बेहद बड़ा और कड़ा इशारा कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया में महत्वपूर्ण कार्यक्रम की तस्वीरें द के माध्यम से शेयर किया है।

कहां-कहां खर्च किए जाएंगे १७० करोड़ रुपये?

इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कुल १७० करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिसे तकनीकी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख हिस्सों में विभाजित किया गया है। इसमें से लगभग ८६ करोड़ रुपये अत्याधुनिक भवन के निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार करने पर खर्च होंगे, जबकि शेष ८४ करोड़ रुपये आधुनिक प्रशिक्षण उपकरणों और एडवांस मशीनों की स्थापना पर व्यय किए जाएंगे। इस केंद्र के पूरी तरह तैयार हो जाने के बाद यहां हर साल लगभग १० हजार छात्र-छात्राओं और युवाओं को उच्च स्तरीय टेक्निकल ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर मिल सकेंगे।जीतन राम मांझी ने जताया आभार, बताया मील का पत्थर

इस शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर मौजूद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने राज्य सरकार के इस कदम की सराहना की और इसे बिहार के भविष्य के लिए बेहद कल्याणकारी बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह केंद्र केवल गया ही नहीं बल्कि पूरे बिहार और पूर्वी भारत के युवाओं के लिए लाभकारी साबित होगा। यहां से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा तकनीकी रूप से पूरी तरह दक्ष बनेंगे और उद्यमिता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे बल्कि पूरे क्षेत्र के औद्योगिक विकास को भी एक नई दिशा और गति मिलेगी।सीएम सम्राट ने दीं दो बड़ी सौगातें, बदलेगी गया की सूरत

टेक्नोलॉजी सेंटर के शिलान्यास के साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गयावासियों की झोली में दो और बड़ी सौगातें डाल दीं। मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि झारखंड के इंद्रपुरी क्षेत्र से पानी लाकर फल्गु नदी में प्रवाहित किया जाएगा, जिससे इस पवित्र नदी के 'सदानीरा' स्वरूप को दोबारा बहाल करने का प्रयास सफल हो सके। इसके साथ ही उन्होंने खेल प्रेमियों को भी बड़ा तोहफा दिया और बताया कि टेक्नोलॉजी सेंटर परिसर के पास ही उपलब्ध करीब ६० एकड़ की विशाल भूमि पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के भव्य स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा।

अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था और निजी कोचिंग संस्थानों को लेकर एक बेहद बड़ा बयान दिया। उन्होंने इशारों-इशारों में साफ कर दिया कि सरकार अब सरकारी स्कूलों की व्यवस्था को इस कदर मजबूत और बेहतर करने जा रही है कि छात्रों को बाहर जाने की जरूरत ही न पड़े। सीएम ने कहा कि सरकार की योजना ऐसी व्यवस्था लागू करने की है जिससे राज्य के सारे कोचिंग सेंटर बंद हो जाएं और विद्यार्थियों को तमाम जरूरी सुविधाएं तथा उच्च स्तर की शिक्षा स्कूलों के भीतर ही मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने बिहार के सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले जाने की बात भी प्रमुखता से कही।

रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की हत्या हुई है, तेजप्रताप यादव

पटना (एजेंसी): बिहार के कोचिंग जगत से शुरू हुआ विवाद अब एक बड़े सियासी घमासान में तब्दील हो चुका है। ज्ञान बिंदु कोचिंग एकेडमी के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की संदिग्ध मौत के मामले ने बिहार की राजनीति में भूचाल ला दिया है। जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो और लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने सीधे तौर पर देश के सुप्रसिद्ध शिक्षक खान सर पर हत्या की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं दूसरी ओर, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी इस पूरे मामले में बिहार सरकार और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मीडिया चैनल में गहरा दुख जताया

एक मीडिया चैनल से बातचीत के दौरान तेज प्रताप यादव ने इस घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और ऐसा नहीं होना चाहिए था। तेज प्रताप ने सीधे तौर पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर इसमें हम किसी पर इल्जाम लगाएंगे तो खान सर पर लगाएंगे, क्योंकि उन्होंने ही हत्या करवाई है। तेज प्रताप ने गुस्से में आगे कहा कि जो व्यक्ति अपने ही आदमी को बोलकर गोली चलवा सकता है, वह हत्या क्यों नहीं करवा सकता। उन्होंने दावा किया कि उन्हें पूरा यकीन है कि इस हत्या के पीछे खान सर का ही हाथ है और उन्हें जेल जाना चाहिए। पीड़ित परिवार के लिए न्याय और पैरोल की मांग

इससे पहले तेज प्रताप यादव ने प्रिंस यादव की मौत को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी अपनी मांगें रखी थीं। उन्होंने लिखा, ज्ञानबिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद जी के भाई स्वर्गीय प्रिंस यादव की निर्मम हत्या की खबर से जनशक्ति जनता दल परिवार अत्यंत दुखी है।

हमारी सरकार और प्रशासन से मांग है कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने मानवीय आधार पर एक और मांग जोड़ते हुए लिखा कि सरकार रौशन आनंद जी को उनके भाई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जेल से रिहा करे या कम से कम एक दिन का पेरोल दे, ताकि वे अपने दिवंगत भाई को अंतिम विदाई दे सकें। उच्च स्तरीय जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मांग

इस पूरे मामले को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी बिहार सरकार और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए अपने पोस्ट में लिखा, बिहार के सुप्रसिद्ध ज्ञान बिंदु कोचिंग संचालक के भाई की हुई संदिग्ध मौत या हत्या की सभी पहलुओं से उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। तेजस्वी ने जल्द से जल्द पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की ताकि पीड़ित की असली वजह साफ हो सके और पुलिस जांच समय पर आगे बढ़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि कोचिंग जगत में चल रहा यह हालिया विवाद पूरे शिक्षा क्षेत्र के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है और इस पूरे मामले में बिहार सरकार और प्रशासन का रवैया संदेहास्पद है।

सीएम सम्राट चौधरी का सीवान दौरा

पटना (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के १६ जून २०२६ को प्रस्तावित सीवान दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। वीवीआईपी मूवमेंट और भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए शहर में एक विशेष ट्रैफिक रूट प्लान लागू किया गया है। इस दौरान भारी वाहनों का रास्ता पूरी तरह बदल दिया गया है, जबकि हल्के वाहनों के लिए भी नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा, सभा स्थल के आसपास के कई प्रमुख मार्गों पर सुबह से ही 'नो एंट्री' लागू रहेगी। अगर आप कल सीवान, मैरवा, गोपालगंज या तरवारा की ओर यात्रा करने वाले हैं, तो किसी भी परेशानी और जाम से बचने के लिए प्रशासन द्वारा जारी किया गया यह नया रूट प्लान जरूर जान लें।

सीवान पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए शहर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा। आम लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित रूट का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

मलमलिया चौक से सीवान, मैरवा और गोपालगंज की ओर जाने वाले सभी भारी एवं बड़े वाहनों को अफरादा चौक, महराजगंज, दरौंदा, पचरुखी और छोटपुर होते हुए अपने गंतव्य तक जाना होगा। वहीं सीवान, मैरवा और गोपालगंज से मलमलिया की ओर आने वाले भारी वाहनों को पासवान चौक, छोटपुर बाईपास, पचरुखी, दरौंदा, महराजगंज और अफरादा चौक होकर गुजरना होगा।

चार पहिया वाहन, पिकअप और अन्य हल्के वाहन तरवारा चौक से पचरुखी-हरीहरपुर, लालगढ़ मार्ग होते हुए महराजगंज-सिवान मार्ग से हरदिया मोड़ के रास्ते सिवान, मैरवा और गोपालगंज जा सकेंगे। वापसी के दौरान इन्हीं वाहनों को हरदिया मोड़ से सीवान-महराजगंज मार्ग, पचरुखी-हरीहरपुर लालगढ़ मार्ग होते हुए तरवारा चौक पहुंचना होगा।

प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभा शुरू होने से चार घंटे पहले तरवारा चौक से वैशाखी मोड़ तक आम लोगों के वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान यह मार्ग केवल कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए ही खुला रहेगा। सभा में आने वाली बसों की पार्किंग सिवान-तरवारा-बसंतपुर मुख्य मार्ग के किनारे निर्धारित की गई है। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि सभी चालक अपनी बसों के साथ मौजूद रहेंगे ताकि जरूरत पड़ने पर यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

तरवारा और अफरादा की ओर से आने वाले छोटे वाहन सभा शुरू होने से दो घंटे पहले तक ही डैम गेट से प्रवेश कर सकेंगे। निर्धारित समय के बाद इस मार्ग पर भी आवाजाही पूरी तरह नियंत्रित कर दी जाएगी। वैशाखी मोड़ की ओर से आने वाले छोटे वाहनों को जीन बाबा स्थान के पास से पपौर वाली सड़क के जरिए सभा स्थल तक पहुंचने की अनुमति दी गई है। प्रशासन ने लोगों से इसी वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की है।

कार्यक्रम में शामिल होने वाली जीविका दीदियों की बसें सीवान-तरवारा-बसंतपुर मुख्य मार्ग से पीसीसी सड़क के जरिए सभा स्थल तक जाएंगी। वहीं मोटरसाइकिल से आने वाले लोगों को भी जीन बाबा स्थान के पास से पपौर वाली सड़क के रास्ते ही प्रवेश करना होगा। यात्रा पर निकलने से पहले रखें ध्यान मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर १६ जून को सीवान में कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। ऐसे में यदि आप सीवान, मैरवा, गोपालगंज, तरवारा, पचरुखी या महराजगंज की ओर यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो निर्धारित डायवर्जन और प्रतिबंधित मार्गों की जानकारी पहले से लेकर ही घर से निकलें, ताकि जाम और परेशानी से बचा जा सके।

राजद के कुनबे पर मंडराया टूट का संकट क्या बिखरेंगे ताश के पत्तों की तरह

पटना,(ईएमएस) : बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों के सत्ताधारी दल से संपर्क में होने की अटकलें लगातार लगती रहती हैं। राज्यसभा या विधान परिषद चुनावों से लेकर अविश्वास प्रस्तावों तक, अक्सर राजद और उसके सहयोगी दलों के कुछ विधायक अनुपस्थित रहकर या पाला बदलकर इन चर्चाओं को हवा देते हैं। बीते दिनों अविश्वास प्रस्ताव के दौरान चेतन आनंद, प्रहलाद यादव और नीलम देवी की अनुपस्थिति ने सवाल खड़े किए थे, वहीं राज्यसभा चुनाव में राजद के फैसल रहमान और कांग्रेस के तीन विधायकों की गैरमौजूदगी ने इन अटकलों को पुख्ता कर दिया। अब फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद जीवन कुमार ने इन चर्चाओं को हवा देकर विपक्षी गुट में हलचल मचा दी है।

भाजपा रणनीतिकारों के निशाने पर कई राजद विधायक हैं। इसमें ढाका विधानसभा सीट से राजद नेता फैसल रहमान का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, जिन्होंने २०२५ के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पवन कुमार जायसवाल को मामूली अंतर से हराया था। सूत्रों के अनुसार, फैसल राजद से नाराज चल रहे हैं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संपर्क में भी हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान उनकी एनडीए के प्रति वफादारी भी सार्वजनिक हो चुकी है, और माना जा रहा है कि वे सही समय का इंतजार में हैं। फैसल रहमान के साथ रहने वाले बिस्फी के विधायक आसिफ अहमद के बारे में भी चर्चाएं हैं, जिन्होंने भाजपा के हरिभूषण ठाकुर को हराया था।

इसके अतिरिक्त, वारसलीगंज विधायक अनीता महतो (अनिता कुमारी) भी भाजपा के सॉफ्ट टारगेट में हैं। अनीता की शादी अशोक महतो नामक अपराधी से हुई है, जो हाल ही में जेल से बाहर आए हैं। मुख्यमंत्री चौधरी से उनकी मुलाकात के बाद से ही पाला बदलने की अटकलें तेज हैं। गोह के विधायक अमरेंद्र कुशवाहा को लेकर भी चर्चाएं हैं, हालांकि उनकी ओर से सीधा झुकाव अभी तक नहीं दिखा है। लेकिन बदलते राजनीतिक परिदृश्य में कुशवाहा राजनीति के देखकर उनके रुख में बदलाव की संभावना से इंकार नहीं कर सकते है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से ही राजद विधायकों के एनडीए के संपर्क में रहने की खबरें आती रही हैं, जिन्हें समय-समय पर चिराग पासवान और रामकृपाल यादव जैसे नेताओं ने भी हवा दी है। राज्यसभा चुनाव में इसका एक ट्रेलर भी दिखा था। इस बार इन चर्चाओं को अधिक विश्वसनीय माना जा रहा है, क्योंकि देशभर में क्षेत्रीय दलों में टूट की एक लहर-सी चल पड़ी है।

वाराणसी में नीट पेपर लीक के विरोध में पल्लवी पटेल हिरासत में

वाराणसी,(ईएमएस) : अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष और सिराथू विधायक पल्लवी पटेल को सोमवार को वाराणसी में नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया। उन्होंने बीएचयू गेट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय कार्यालय तक मार्च का आह्वान किया था, लेकिन प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं देने के कारण पुलिस ने रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान पल्लवी और उनके २४ समर्थकों को हिरासत में लेकर पहले पुलिस लाइन, फिर शहर से बाहर ले जाया गया। हिरासत में लेने के दौरान पुलिस के साथ उनकी नोकझोंक भी हुई।

पल्लवी पटेल ने नीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच और न्यायिक निगरानी में कराने की मांग की। उन्होंने धांधली में लिप्त लोगों के नाम सार्वजनिक करने और एनटीए सहित अन्य परीक्षा नियंत्रक अधिकारियों पर रासुका (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) लगाने की भी मांग उठाई। पटेल ने उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा को फिर से कराने और यूपीएसआई के स्कोरकार्ड तत्काल जारी करने की भी मांग की। हिरासत से पहले, पटेल ने मोदी-योगी की डबल इंजन सरकार पर पाकिस्तान, कब्रिस्तान और मुसलमान की राजनीति से बाहर आकर शिक्षा, रोजगार और लोकतंत्र को मजबूत करने वाली राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने युवाओं की बढ़ती बेरोजगारी और परीक्षा धांधली को लेकर सरकार पर निशाना साधा। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी और कई संबंधित नेताओं को नजरबंद भी किया गया था।

लखनऊ में भीषण पटाखा फैक्ट्री विस्फोट

लखनऊ (ईएमएस) : लखनऊ के देवती गांव में सोमवार को पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ है। सुबह करीब ११:३० बजे हुए धमाके से फैक्ट्री का पूरा मकान ध्वस्त हुआ और उसकी आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मकान की ईंटें दूर-दूर तक बिखर गईं। जानकारी के अनुसार, मारिया (२२ वर्ष) नामक एक व्यक्ति घायल हुए हैं। लोकल निवासियों के मुताबिक, यदि यह हादसा दिन के व्यस्त समय या आबादी वाले क्षेत्र में हुआ होता, तब जान-माल का कहीं अधिक नुकसान हो सकता था। फैक्ट्री, जिसका संचालन मो. शफीक (२६ वर्ष) के लाइसेंस पर हो रहा था, गांव से बाहर स्थित एक सुनसान जगह पर थी।

आसपास कोई आबादी न होने के कारण एक बड़े जान-माल के नुकसान से बचा जा सका, जिससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ और बम निरोधक दस्ते की टीमें मौके पर पहुंच गई।

अस्पताल में भर्ती थी मासूम, लाईट जाते ही आवारा कुत्तों ने नोंच डाला

मुजफ्फरनगर,(ईएमएस) : यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के जिला अस्पताल में भर्ती ३ साल की मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। इस हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के मुताबिक सहारनपुर जनपद निवासी यह बच्ची मुजफ्फरनगर की नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित शेरपुर गांव में अपने नाना के यहां आई थी। शनिवार को उसे बुखार आने पर परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिजनों का आरोप है कि रविवार दोपहर लाइट जाने के बाद बच्ची की मां पानी लेने वार्ड से बाहर गई। इसी दौरान बच्ची भी वार्ड से बाहर आ गई। बताया जा रहा है कि जैसे ही बच्ची बाहर आई, आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। देखते ही देखते कुत्तों ने बच्ची को बुरी तरह नोंच डाला और बच्ची लहूलुहान हो गई। शोर-शराबा सुनकर परिजन और अस्पताल कर्मी मौके पर पहुंचे और किसी तरह बच्ची को कुत्तों से बचाया। इसके बाद उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है। बच्ची की हालत नाजुक बताई जा रही है।

जिला चिकित्सालय के सीएमएस का कहना है कि बच्ची को तुरंत उपचार दिया जा रहा है और उसकी स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, परिजन अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि अस्पताल परिसर में आवारा कुत्तों के झुंड घूमते हैं और मरीज असुरक्षित हैं। मासूम बच्ची के परिजन ने अस्पताल प्रबंधन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हमने इस बच्ची को बुखार के चलते भर्ती कराया था। जैसे ही लाइट गई, लोग गेट से बाहर निकल आए बच्ची भी बाहर आ गई। बाहर निकलते ही कुत्तों ने बच्ची पर हमला कर दिया।

उन्होंने कहा कि बच्ची की हालत बहुत गंभीर है, यहां तो आदमी कम, कुत्ते ज्यादा नजर आते हैं। पहले इनका इलाज हो, आदमी को तो रहने दो। डॉ साहब कह रहे हैं कि ट्रीटमेंट चालू कर रहे हैं। देखते हैं क्या होता है। हम चाहते हैं कि बच्ची का सही तरह से इलाज हो और अस्पताल में घूम रहे आवारा कुत्तों को यहां से बाहर किया जाए।

प्रिंस यादव की मौत में नाम घसीटने पर खान सर ने भावुक संदेश किया जारी

पटना,(ईएमएस) : कोचिंग संचालक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत को लेकर खान सर पर आरोप लग रहे हैं कि प्रिंस की हत्या उन्होंने करवाई है। अब खान सर ने प्रिंस यादव की मौत को लेकर एक भावुक वीडियो संदेश जारी किया है। बता दें प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध मौत के बाद पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने इसे हत्या बताने और उसमें अपना नाम घसीटने के बाद खान सर सामने आए हैं। खान सर ने कहा है कि प्रिंस की मौत की जानकारी होने पर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि, प्रिंस की मौत को लेकर नेपाल से यह सूचना आई थी कि उनकी मौत ब्रेन हेमरेज से हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खान सर ने भावुक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि आज अजीब मन से बात करना पड़ रहा है। बड़ी दुखद खबर के साथ। अचानक से सभी चीजें चल रही थीं तब ही कुछ-कुछ लोगों से फोन आना शुरू हो गया कि सर आप न्यूज देखिए कि रौशन सर के भाई की नेपाल में संदिग्ध मौत हो गई है। कुछ पल के लिए विश्वास नहीं हुआ कि ऐसा कैसे हो सकता है। हमने उन लोगों को डांटा भी कि ये सब क्या कुछ भी बोलते रहता है। फिर जब हमने न्यूज देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई। समय कैसा यह करवट ले रहा है। किस स्थिति में समय चला गया है? आखिर ऐसा कैसे हो सकता है?

खान सर ने अपने वीडियो में एक न्यूज क्लिप दिखाया जिसमें प्रिंस यादव के दोस्त यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि प्रिंस का पहले से इलाज चलता था और वो दवाओं का सेवन करते थे। प्रिंस के दोस्त कहते हैं कि उनको दो बार अटैक आ चुका है। प्रिंस के दोस्त इस वीडियो क्लिप में कहते हैं कि उसको कोई कुछ नहीं किया है। २-३ दिन से वह ठीक से सो नहीं रहा था। कल भी हमलोग देख कि सो रहा है तो हमलोगों को लगा कि चलो अब वो सो रहा है। धीरे-धीरे वो लंबी सांस लेने लगा। उसके बाद हमलोग एंबुलेंस मंगवाए और उसको अस्पताल लेकर आए। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। उसको किसी ने नहीं मारा। वो हमलोगों का करीबी दोस्त था, हमलोग क्यों करेंगे ऐसा? किसी अन्य ने भी उसको नहीं मारा। वो पहले से बीमार था।

BEFORE THE EXECUTIVE MAGISTRATE, DHANBAD
AFFIDAVIT

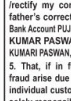

I, PUJA KUMARI, D/o NARESH KUMAR PASWAN, D.O.B.- 05/03/1999, by faith-Hindu, by occupation-Unemployed, R/O At Near Kali Mandir, No. 1 Kenduadih, P.O. Kusunda, P.S. Kenduadih, Dist. Dhanbad (Jharkhand), Pin code -828122 do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows:-
1. That, I am Account holder of Bank of India at Kirkend Branch vide A/c No. 472110510001904.
2. That, my actual and correct name is PUJA KUMARI, D/o NARESH KUMAR PASWAN which is mentioned in my Aadhar card vide Aadhar No. 2041 9760 6723 but in my above Bank Account my name has been wrongly mentioned as PUJA KUMARI PASWAN, D/O NARESH PASWAN.
3. That, I do hereby declare that PUJA KUMARI, D/o NARESH KUMAR PASWAN and PUJA KUMARI PASWAN, D/O NARESH PASWAN are the same and one person i.e. myself and my father's name.
4. That, now I want to correction /rectify my correct name and my father's correct name in my above Bank Account PUJA KUMARI, D/o NARESH KUMAR PASWAN in place of PUJA KUMARI PASWAN, D/O NARESH PASWAN.
5. That, if in future any litigation/ fraud arise due to name change the individual customers himself will be solely responsible.
6. That, my photograph is affixed on this affidavit for my proper indentification.
7. That, the above statements made above are true and correct to the best of my knowledge and nothing has been concealed in it.
8. That, I am swearing this affidavit to produce it before the authority concerned and for needful purpose.

Sl. No 14270 dt. 02/04/26

BEFORE THE EXECUTIVE MAGISTRATE AT DHANBAD
AFFIDAVIT

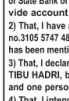

I, Tinku Hadi, S/O Jagan Hadi, aged about 41 years, by faith - Hindu, by occupation- Home Gaurd, resident of Near Hanuman mandir, Prem Chand Nagar, P.O.+PS+ District-Dhanbad, State-Jharkhand, Pin-826001, do hereby solemnly affirm and declare as under:-
1) That, my correct name and its spelling is TINKU HADI, which is mentioned in my Voter Id Card vide no. BZQ0821777, and bank account of State Bank of India, Hirapur Branch, vide account no. 30218437214.
2) That, I have an Aadhar Card vide no.3105 5747 4846, in which my name has been mentioned as TIBU HADRI
3) That, I declare that TINKU HADI & TIBU HADRI, both name are same and one person i.e. myself.
4) That, I intend to rectify my name in the said Aadhar Card as TINKU HADI in place of TIBU HADRI.
5) That, I am affixing my photograph on this affidavit for my proper identification and verification.
6) That, my above statement are correct and genuine nothing false.
7) That, I am swearing this affidavit to file it before the competent authority and for needful purpose.

Sl. No 30987 dt. 12/6/26

ओवैसी का यूपी में गठबंधन का ऑफर

लखनऊ (ईएमएस): एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में २०२७ के विधानसभा चुनावों से पहले बड़ा राजनीतिक दांव खेलकर ऐलान किया है कि उनकी पार्टी बीजेपी को फिर से सत्ता में आने से रोकने के लिए किसी भी दल के साथ गठबंधन को तैयार है। हालांकि, उन्होंने किसी भी सहयोग के लिए अपनी शर्तें स्पष्ट कर दी हैं। ओवैसी ने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का सीधा नाम लिए बिना, गठबंधन का खुला प्रस्ताव दिया।

हैदराबाद के सांसद ने कहा, हमारी पार्टी बीजेपी को उत्तर प्रदेश में आने से रोकने के लिए गठबंधन करने के लिए तैयार है, बशर्ते कि उस गठबंधन में हमारी पार्टी को इज्जत की निगाहों से देखा जाए, बराबरी का रुतबा दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कर कहा कि एआईएमआईएम सिर्फ दूसरों के लिए दरी बिछाने जैसा बर्ताव स्वीकार नहीं करेगी, बल्कि राजनीतिक भागीदारी और सत्ता में उचित हिस्सेदारी पर चर्चा होनी चाहिए।

ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोटरों को लेकर लंबे समय से चली आ रही धारणा को सिरे से खारिज कर दिया। यह पूछने पर कि क्या मुस्लिम मतदाता अभी भी समाजवादी पार्टी के साथ हैं, उन्होंने कहा, कोई किसी के साथ नहीं है, गए वे दिन जब मुस्लिम मतदाता मुलायम सिंह के कहने पर वोट करता था।

उन्होंने दावा किया कि एआईएमआईएम अब राज्य में एक मजबूत ताकत बनकर उभरी है और इसका अंदाजा उन लोगों को जल्द लग जाएगा, जो इस तरह की बकवास करते हैं। ओवैसी ने साफ किया कि उनकी पार्टी अपने दम पर भी पूरी ताकत से चुनाव लड़ने को तैयार है, यदि गठबंधन की शर्तें पूरी नहीं होतीं।

२०२४ के लोकसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने अपना दल (कमेरावादी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। उनके मौजूदा बयान से यह संकेत मिलता है कि वह समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और मायावती की बहुजन समाज पार्टी दोनों से ही गठबंधन की संभावना तलाश रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की कुल आबादी में लगभग १९ प्रतिशत मुस्लिम हैं, जो कई क्षेत्रों में चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं, और ओवैसी अपने इस दांव से इसी महत्वपूर्ण वोट बैंक पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवाचार ही भविष्य : हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक और नवाचार से मजबूत करने की दिशा में सरकार ने एक और कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के होटल बीएनआर चाणक्य में आयोजित मेडटेक इनोवेशन डे कार्यक्रम में 'डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स' पहल का शुभारंभ किया। इस पहल के जरिए नई स्वास्थ्य तकनीकों और चिकित्सा उपकरणों का वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण किया जाएगा और सफल होने पर उनका व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र आज पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है और झारखंड जैसे भौगोलिक व सामाजिक परिस्थितियों वाले राज्य में तकनीक और नवाचार की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बायो-इंजीनियरिंग और रियल टाइम डेटा पर आधारित होगी तथा राज्य सरकार स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं को हरसंभव सहयोग देगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्वास्थ्य तकनीकों का अवलोकन भी किया। उन्होंने आईआईटी धनबाद के पूर्व छात्रों द्वारा विकसित बिना फिल्म वाली पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन को देखा और इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में नवाचार की अपार संभावनाएं हैं और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकसित तकनीक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, इनोवेटर्स और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास : डॉ. इरफान अंसारी

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों, एमबीबीएस और पीजी सीटों की संख्या बढ़ी है तथा डॉक्टरों की नियुक्ति भी की गई है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राज्य में ७४५ 'अबुआ मेडिकल स्टोर' खोलने की योजना पर काम चल रहा है, जिससे लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। कार्यक्रम में दो पैनल चर्चाओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए मेडटेक समाधान विकसित करने और सरकार, इनोवेटर्स व स्वास्थ्य संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए स्वास्थ्य नवाचारों को तेजी से लागू करने के उपायों पर चर्चा हुई।

स्वास्थ्य से जुड़ीं चुनौतियों का समाधान

डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पीएचआईए फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक जॉनसन टोपनो ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स सरकार, इनोवेटर, शोधकर्ता और समुदाय को एक साथ लाकर स्वास्थ्य की प्राथमिकताओं से जुड़ी चुनौतियों के समाधान का परीक्षण करने और उन्हें बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह पहल ऐसे नवाचारों को तेजी से अपनाने में मदद करेगी, जो व्यापक स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने बताया कि डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स, डीबीटी और पीएचआईए फाउंडेशन के व्यापक नवाचार इकोसिस्टम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो आशाजनक स्वास्थ्य तकनीकों के परीक्षण, मूल्यांकन और उन्हें व्यापक उपयोग तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मनरेगा श्रमिकों की सुरक्षा के लिए झारखंड सरकार ने जारी किया अनुदान

रांची (एजेंसी): मनरेगा के तहत काम करने वाले श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष २०२६-२७ में एक करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह राशि दुर्घटना, सामान्य मृत्यु, अप्राकृतिक मौत तथा विकलांगता के मामलों में अनुग्रह अनुदान के भुगतान के लिए खर्च की जाएगी।

विभागीय सचिव मनोज कुमार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि मनरेगा अधिनियम, २००५ के प्रावधानों तथा विभागीय संकल्प के तहत पात्र श्रमिकों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। यह राशि जिलों को आवंटित की जाएगी, ताकि पात्र लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके।

सरकार के निर्णय के अनुसार, ऐसे मनरेगा श्रमिक, जिन्होंने किसी वित्तीय वर्ष में कम से कम १५ दिनों तक कार्य किया हो और जिनकी आयु ६५ वर्ष से कम हो, उनके निधन अथवा दुर्घटना की स्थिति में निर्धारित अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। दुर्घटना या अप्राकृतिक मृत्यु (हत्या सहित) तथा स्थायी विकलांगता की स्थिति में दो लाख रुपये, आंशिक विकलांगता पर ७५ हजार रुपये और सामान्य मृत्यु पर एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

विभाग ने मनरेगा के तहत निर्मित डोभा में डूबकर होने वाली मौतों को भी इस दायरे में शामिल किया है। ऐसे मामलों में मृतक के आश्रितों को एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे मनरेगा श्रमिकों और उनके परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल मिलेगा।

वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के बजट में इस मद के लिए कुल एक करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसे विभिन्न बजट शीर्षों के माध्यम से जिलों को उपलब्ध कराया जाएगा।

अनुग्रह अनुदान की दरें
दुर्घटना या अप्राकृतिक मृत्यु : २ लाख
स्थायी विकलांगता, अंगभंग : २ लाख
आंशिक विकलांगता : ७५ हजार
सामान्य मृत्यु : १ लाख
मनरेगा डोभा में डूबने से मृत्यु : १ लाख

चिन्हित मतदाताओं से दस्तावेज लेने पर फिर से विचार करे चुनाव आयोग : झामुमो

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान चिन्हित -पेारश्रू और णपारशिव मतदाताओं से गणना चरण में ही आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने की अनुमति देने की मांग की है। इस संबंध में झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र भेजकर मौजूदा व्यवस्था पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। झामुमो ने अपने पत्र में कहा है कि वर्तमान व्यवस्था के तहत गणना चरण में मतदाताओं से कोई दस्तावेज नहीं लिया जा रहा है और केवल उन मामलों में बाद में दस्तावेज मांगे जाएंगे, जहां नोटिस एवं सत्यापन की प्रक्रिया होगी। पार्टी का तर्क है कि यदि प्रारंभिक चरण में ही चिन्हित मामलों से दस्तावेज प्राप्त कर लिए जाएं तो मतदाताओं को अनावश्यक परेशानी, भ्रम और भय से राहत मिलेगी तथा पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन सकेगी। पत्र में कहा गया है कि इससे जिला निर्वाचन प्रशासन और बीएलओ पर अतिरिक्त प्रशासनिक बोझ कम होगा, लंबित मामलों की संख्या घटेगी तथा प्रवासी श्रमिकों, विद्यार्थियों और राज्य से बाहर रहने वाले मतदाताओं को भी सुविधा मिलेगी। झामुमो ने यह भी कहा कि इससे पात्र मतदाताओं के मताधिकार की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी मजबूत होगी।

राज्यसभा चुनाव के लिए समर्थन जुटाने में जुटे प्रणव झा, तेजस्वी यादव से की मुलाकात

रांची (एजेंसी): राज्यसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन से कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए लगातार सहयोगी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को वह राजद नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात करने पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने समर्थन में वोट की अपील की। झारखंड में राजद महागठबंधन का हिस्सा है और विधानसभा में उसके चार विधायक हैं, ऐसे में राजद का समर्थन चुनावी समीकरण में अहम माना जा रहा है। इससे पहले प्रणव झा ने भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद भाकपा (माले) ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को समर्थन देने की घोषणा की। दीपांकर भट्टाचार्य ने स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी का रुख बिल्कुल साफ है और भाजपा के किसी भी मंसूबे को झारखंड में सफल नहीं होने दिया जाएगा।

रांची समेत 11 जिलों में आज बारिश के आसार, कई इलाकों में तेज हवाओं और वज्रपात की चेतावनी

रांची (एजेंसी): झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते राज्य के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। बीते २४ घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर अच्छी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी रांची समेत ११ जिलों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई है। राज्य में सबसे अधिक वर्षा कोडरमा जिले के तिलैया क्षेत्र में ४६.४ मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा चंदवा में ४५.२ मिलीमीटर और रांची के कांके क्षेत्र में ४२.५ मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। पूर्वी सिंहभूम में भी लगभग २४ मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। रांची, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो और आसपास के कई जिलों में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया। बारिश के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली।

राजधानी रांची में रविवार को दिनभर तेज धूप और गर्मी का असर बना रहा। दोपहर तक तापमान लगभग ३५ डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। हालांकि शाम के समय मौसम ने अचानक करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई।

रात तक कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश और गर्जन की स्थिति बनी रही। भारी बारिश के चलते सेवा सदन पथ, जयपाल सिंह स्टेडियम क्षेत्र, मेन रोड और स्टेशन रोड सहित कई हिस्सों में जलजमाव की समस्या देखने को मिली। सुरक्षा कारणों से कुछ इलाकों में अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को राज्य के दक्षिणी, मध्य और पूर्वी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेज रह सकती है। जिन जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है उनमें रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रामगढ़, बोकारो और हजारीबाग शामिल हैं।

आर-पार की लड़ाई के मूड में मनरेगा कर्मी, सरकार के खिलाफ करेंगे विरोध-प्रदर्शन

रांची (एजेंसी): लंबित मांगों को लेकर झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है। संगठन की ओर से नागा बाबा खटाल, लोक भवन के सामने राज्य स्तरीय महाधरना शुरू किया जा रहा है। आंदोलन की शुरुआत राज्य के १५६ दिवंगत मनरेगा कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की जाएगी। मनरेगा कर्मचारी संघ की बैठक में आंदोलन के रणनीति बनाई गई।

बता दे कि मनरेगा कर्मी १२ मार्च २०२६ से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ का कहना है कि ग्रेड-पे आधारित वेतनमान, स्थायी समायोजन, सेवा सुरक्षा, दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति और समुचित मुआवजा समेत कई मांगों को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

संघ का आरोप है कि लंबे समय से आंदोलनरत रहने के बावजूद सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। इसी के विरोध में अब आंदोलन को और तेज करने का फैसला लिया गया है। १६ जून को धरना स्थल पर सरकार की सद्बुद्धि और सकारात्मक पहल की कामना के साथ यज्ञ-हवन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद भी मांगें नहीं मानी गईं तो १७ जून से आमरण अनशन और भूख हड़ताल शुरू होगी।

आंदोलन के अगले चरण में १९ जून को धरना स्थल से जयपाल सिंह स्टेडियम तक मानव श्रृंखला बनाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संघ का कहना है कि राज्य के मनरेगा कर्मी पिछले ९८ दिनों से आंदोलनरत हैं और अब किसी भी कीमत पर अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं हैं। संघ के अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडेय ने कहा कि मनरेगा कर्मियों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। सरकार को जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए, अन्यथा आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

सरकार की चेतावनी के बावजूद नहीं झुके कर्मी

हड़ताल को लेकर राज्य सरकार ने मनरेगा कर्मियों को काम पर लौटने की चेतावनी दी है। सरकार की ओर से हड़ताल में शामिल कर्मियों की ९ वर्षों की सेवा अवधि तक समाप्त करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की बात कही गई है। नो वर्क-नो पे भी लागू है। सभी जिलों से लगातार चेतावनी का निर्देश जारी किया जा रहा है। इसके बावजूद मनरेगा कर्मचारी संघ ने साफ कर दिया है कि मांगों पर ठोस निर्णय लिए बिना वे काम पर नहीं लौटेंगे। संघ का कहना है कि यह लड़ाई अब सम्मान और अधिकार की है, जिसे हर हाल में अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेषांश

नशीले पदार्थों के अवैध---

नशे से दूर रहें तथा अपने परिजनों, समाज और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन परिवार, समाज और राज्य की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यकर्मियों को 60 सेकेंड---

हाईकोर्ट द्वारा पारित विभिन्न आदेशों और अवमानना वादों के अनुपालन में तैयार किया गया था। विभागीय दस्तावेज के अनुसार वर्ष २०१६ में आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर ४० अभ्यर्थियों की अनुशंसा की गई थी, लेकिन प्रमाण-पत्रों की जांच में कथित अनियमितताएं पाए जाने के बाद वर्ष २०१८ में उनकी नियुक्ति प्रक्रिया रोक दी गई थी। इसके खिलाफ पांच अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अलग-अलग मामलों में राज्य सरकार को संबंधित याचिकाकर्ताओं को मोटरयान निरीक्षक पद पर नियुक्ति पत्र जारी करने का निर्देश दिया। बाद में आदेशों का पालन नहीं होने पर अवमानना याचिकाएं भी दायर की गईं। परिवहन विभाग ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि अदालत के आदेशों के बाद अब नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाना आवश्यक हो गया था। विभाग के अनुसार वर्ष २०२३ में निकाले गए नए विज्ञापन के तहत चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन पुराने ४० अभ्यर्थियों के मामले में न्यायालय के निर्देशों के कारण रिक्त पद सुरक्षित रखे गए हैं। वर्तमान में कुल ४६ रिक्त पद उपलब्ध हैं, जिनमें से ४० पदों पर इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति संभव है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर एलपीए (लेटर्स पेटेंट अपील) अभी विचाराधीन है, लेकिन जब तक उच्च न्यायालय से कोई स्थगन आदेश प्राप्त नहीं होता, तब तक अदालत के आदेशों का पालन करना अनिवार्य है। इसी आधार पर परिवहन विभाग ने चयनित ४० अभ्यर्थियों को मोटरयान निरीक्षक पद पर नियुक्ति देने के लिए कैबिनेट की मंजूरी मांगी। विभाग का मानना है कि इससे वर्षों से लंबित भर्ती विवाद का समाधान होगा और परिवहन व्यवस्था में आवश्यक मानव संसाधन की कमी भी दूर होगी।

केंद्र ने वीबी-जी राम---

में १२५ दिन के रोजगार की गारंटी देगा। राज्य में १५ जून से १७ जून तक १,१०० जन कल्याण शिविर लगाए जा रहे हैं। ये शिविर सुबह १० बजे से शाम पांच बजे तक खुले रहेंगे। यहां लोग केंद्र और राज्य सरकार की ५४ अलग-अलग योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं और उनके लिए आवेदन जमा कर सकते हैं।

टीएमसी के 20 बागी---

या फिर उससे थोड़ा ज्यादा वोट हासिल कर पाए। पार्टी को कुल मिलाकर लगभग १,१९८ वोट मिले थे। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार पार्टी को कुल १.१३ लाख का चंदा मिला था। एनसीपीआईके चुनावी पोस्टरों में नारा था- अपने अधिकारों को बचाने के लिए दलबदलुओं को नकारें। एनसीपीआई ने २०२३ में त्रिपुरा के चावामानु से बरजेडा त्रिपुरा को उम्मीदवार बनाया था। बरजेडा को ५३६ वोट मिले थे। टीएमसी के बागी सांसदों के साथ विलय की बात सुनकर वे हैरान रह गए। बरजेडा ने बताया कि वे दिहाड़ी मजदूर हैं। चुनाव के बाद उनका पार्टी से संपर्क खत्म हो गया था। त्रिपुरा के कैलाशहर से एनसीपीआई उम्मीदवार रहे जहांगीर अली ने बताया कि २०२३ चुनाव के दौरान शेउली कुंडू कोलकाता से आई थीं और उम्मीदवारों से संपर्क किया था। चुनाव खत्म होने के बाद पार्टी ने गतिविधियां बंद कर दीं और संपर्क भी टूट गया।

कच्चे तेल की कीमतों---

की थी। इसके बावजूद जब नुकसान काबू से बाहर गया तब दामों में बढ़ोत्तरी की गई। इसकी भरपाई एक दिन में नहीं की जा सकती। सूत्रों का कहना है कि आगे सबकुछ सही रहा तो सरकार आम जनता को जरूर राहत देगी। फिलहाल स्थितियों पर नजर रखी जा रही है, अभी संकट के बादल छट रहे हैं। आसमान साफ होने दीजिए। जाहिर है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में भी कमी आएगी। सूत्रों का कहना है कि भारत की तेल विपणन कंपनियां हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हुए नुकसान की भरपाई कर रही हैं, क्योंकि तब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग १२० डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। इस दौर में कंपनियों ने काफी समय तक इसका पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला था। लेकिन मई के बीच से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग ७ रुपये से ८ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। कच्चे तेल की कीमतों के नीचे आने के साथ अगर इसमें स्थिरता कायम रहेगी तो कंपनियों के नुकसान की जल्द भरपाई हो जाएगी।

होर्मुज में फंसे 13 भारतीय---

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समझौता तय समय पर लागू हो जाता है तो न केवल भारतीय जहाजों की वापसी संभव होगी, बल्कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा दबाव भी कम होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, इसलिए इसके खुलने का असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों और भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी दिखाई देगा।

तेतुलिया जमीन घोटाला : हाई कोर्ट ने जांच की निगरानी से किया इनकार, ईडी और सीआईडी को निष्पक्ष जांच जारी रखने का निर्देश

रांची (एजेंसी): झारखंड के बहुचर्चित तेतुलिया जमीन विवाद मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए जांच की न्यायिक निगरानी करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल आशंकाओं या संभावनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि जांच एजेंसियां आरोपितों को लाभ पहुंचाने का प्रयास करेंगी। न्यायालय ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है और संबंधित एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से अपना कार्य करने दिया जाना चाहिए।

यह आदेश मुख्य न्यायाधीश एम एस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सोमवार को मामले से संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। अदालत ने अपने आदेश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य जांच एजेंसियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून सम्मत जांच जारी रखने का निर्देश भी दिया।

क्या है तेतुलिया जमीन विवाद मामला

मामला बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा स्थित लगभग १०३ एकड़ भूमि से जुड़ा है। याचिका में दावा किया गया था कि यह जमीन वर्ष १९५८ में वनभूमि के रूप में अधिसूचित की गई थी। वर्तमान समय में इस भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग १७२ करोड़ रुपये बताया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप था कि इस भूमि की खरीद-बिक्री, स्वामित्व हस्तांतरण और अन्य प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। इसी मामले की जांच वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय और अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा की जा रही है।

न्यायिक निगरानी की मांग लेकर हाई कोर्ट पहुंचा था याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि मामले की गंभीरता और भूमि के बड़े आर्थिक मूल्य को देखते हुए जांच की निगरानी स्वयं न्यायालय करे। याचिका में यह भी कहा गया था कि भूमि सौदे से जुड़े कुछ लोग प्रभावशाली हैं, जिसके कारण जांच प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से यह तर्क रखा गया कि प्रभावशाली व्यक्तियों के कारण जांच एजेंसियों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष दबाव पड़ सकता है। इसी आधार पर न्यायिक निगरानी की मांग की गई थी।

डीएफओ की शिकायत और समिति की रिपोर्ट का भी हुआ उल्लेख

याचिका में यह भी बताया गया कि बोकारो के प्रभागीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) की शिकायत के आधार पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में जालसाजी, धोखाधड़ी और अन्य संबंधित धाराओं के तहत शिकायत वाद दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में संबंधित भूमि को वनभूमि माना था। यही रिपोर्ट मामले की जांच का महत्वपूर्ण आधार भी मानी जा रही है।

अदालत ने क्यों ठुकराई निगरानी की मांग

अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से प्रस्तुत शपथपत्रों और दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद कहा कि फिलहाल ऐसा कोई ठोस साक्ष्य या तथ्य रिकॉर्ड पर उपलब्ध नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से काम नहीं कर रही हैं या आरोपितों को संरक्षण प्रदान कर रही हैं। खंडपीठ ने कहा कि केवल संभावित आशंकाओं के आधार पर न्यायालय जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। न्यायालय का मानना था कि जब तक जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाले ठोस प्रमाण सामने न आएं, तब तक उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य करने दिया जाना चाहिए।

ईडी और सीआईडी को निष्पक्ष जांच जारी रखने का निर्देश

अपने आदेश में अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय, अपराध अनुसंधान विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां मामले की जांच पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ाएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि जांच कानून के दायरे में रहते हुए तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचे।

बच्चे की ट्रॉफी को बनाएं होम डेकोर का हिस्सा

बच्चा जब कभी ट्रॉफी जीतकर लाता है तो पैरेंट को काफी खुशी होती है। इसे अपने घर में अलग तरह से रखने और होम डेकोर का हिस्सा बनाने के लिए आप यहां से आइडियाज ले सकते हैं।

हर पैरेंट की यह इच्छा होती है कि उनका बच्चा जीवन में सफल हो। पढ़ाई से लेकर अन्य एक्टिविटीज व कॉम्पीटिशन आदि में वे अपने बच्चे को जीतता हुआ देखना चाहते हैं। जब बच्चा किसी कॉम्पीटिशन को जीतता है और उसे ट्रॉफी मिलती है तो यकीनन बेहद खुशी मिलती है। हम सभी एक गर्व महसूस करते हैं और उस ट्रॉफी को हर किसी को दिखाना चाहते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप ट्रॉफी को घर में एक अलग अंदाज में डिस्प्ले करें।

अधिकतर घरों में यह देखा जाता है कि लोग एक शेल्फ बनवाते हैं और उसमें ट्रॉफी डिस्प्ले करते हैं। यकीनन यह ट्रॉफी को रखने का एक अच्छा तरीका है। लेकिन ट्रॉफी को डिस्प्ले करने का यही एकमात्र तरीका नहीं है। अगर आप चाहें तो कई अलग-अलग तरीकों से ट्रॉफी को अपने घर में डिस्प्ले कर सकते हैं।

तैयार करें गैलरी वॉल

अगर बच्चे ने बहुत सारी ट्रॉफी जीती हैं तो उन्हें बेहद ही खूबसूरती के साथ डिस्प्ले करने के लिए आप एक गैलरी वॉल तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप दीवार पर एक खास डिजाइन या पैटर्न में प्लोटिंग शेल्फ बनवाएं। अब आप इस शेल्फ में बच्चे की ट्रॉफी को रख सकते हैं। इससे ना केवल हर किसी का ध्यान उन ट्रॉफी पर जाता है, बल्कि इससे आपका होम डेकोर भी काफी अच्छा लगता है।

तैयार करें क्रिएटिव स्टैंड

यह आप बच्चे की ट्रॉफी को एक बेहद ही क्रिएटिव तरीके से डिस्प्ले करना चाहती हैं तो इससे लिए एक स्टैंड का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप चाहें तो वुड स्टैंड खरीद सकते हैं या फिर उसे खुद भी डिजाइन करवाया जा सकता है। यह आपके होम डेकोर को एक रस्टिक लुक देता है। वहीं, अगर आप अपने घर को एक मॉडर्न और मिनिमल लुक देना चाहते हैं तो ऐसे में ऐक्रेलिक स्टैंड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

थीम-बेस्ड हो डिस्प्ले

यह भी बच्चे की ट्रॉफी को डिस्प्ले करने का एक अच्छा आइडिया है। बच्चे ने जिस फील्ड में ट्रॉफी जीती है, आप उसी को आधार बनाकर डिस्प्ले करें। मसलन, अगर उसे खेल के किसी कॉम्पीटिशन को जीतने के बाद ट्रॉफी मिलती है तो आप घर के एक हिस्से में खेल के उपकरण, जर्सी और पोस्टर जैसी संबंधित वस्तुओं के साथ एक स्पोर्ट्स-थीम वाला कोना बनाएं। उस कोने में आप बच्चे की खेल में जीती हुई ट्रॉफियों को बहुत ही खूबसूरती के साथ डिस्प्ले करें। इस तरह यह देखने में बेहद ही आकर्षक लगेगी।

एलईडी बैकलाइटिंग का करें इस्तेमाल

अगर आप बच्चे की ट्रॉफी को इस तरह डिस्प्ले करना चाहती हैं कि वह ना केवल देखने में आकर्षक लगे, बल्कि हर किसी का ध्यान उस ओर जाए तो ऐसे में एलईडी बैकलाइटिंग का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया हो सकता है। आप ट्रॉफियों को रखने वाली अलमारियों के नीचे एलईडी स्ट्रिप लाइट लगाएं। यह ट्रॉफियों को काफी अलग दिखाता है। आजकल मार्केट में रंग बदलने वाली लाइट भी मिलती है। आप चाहें तो उसका इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

गार्डन में करें ये काम... गर्मी से बच जाएंगे प्लांट्स

यदि आपको भी पूरी फैमिली के साथ कई दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ रहा है और आपको प्लांट्स को सूखने की चिंता सताने लगती है। इसके लिए आज हम आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप अपने गार्डन के पेड़-पौधों को खराब और सूखने से बचा सकती हैं।

गर्मी के मौसम में हमें अपने साथ पेड़-पौधों का भी खूब ख्याल रखना पड़ता है। गार्डनिंग करने से लेकर प्लांट्स को बचाए रखने तक एक चुनौतीपूर्ण काम होता है। समर सीजन में यदि आपने एक दिन भी पौधों की केयर नहीं की तो वो तुरंत मुरझाने और सूखने लगते हैं। वहीं अगर कभी आपको पूरे परिवार समेत घर से बाहर कई दिनों के लिए जाना पड़े तो आपको गार्डन में लगे फूल और पेड़ो के सूखने की चिंता सताने लगती है। दरअसल, भीषण गर्मी की वजह से प्लांट्स बहुत जल्दी सूखने लगती हैं। ऐसे में हमें इस मौसम में गार्डन की बहुत ज्यादा देख-रेख करने की जरूरत होती है। टी गार्डनिंग करना भी एक कला है। जिसका ज्ञान हर किसी को नहीं होता है। हमें अपने प्लांट्स को खराब होने से बचाने के लिए सही खाद और पानी देने का तरीका आना बेहद जरूरी होता है। तब जाकर हमारे पेड़-पौधे हरे-भरे दिखते हैं। अब अगर आपको किसी काम से घर से दूर कई दिनों के लिए जाना पड़ रहा है, तो ऐसे में गार्डन में लगे सभी पौधे मुरझाने और सूखने लगते हैं। ऐसे में मन में सवाल आता है आखिर किस तरह पेड़-पौधों को सूखने से बचाया जाए। अगर आपका भी बहुत जल्द कहीं घूमने जाने का प्लान बन रहा है और आपको अपने गार्डन को भी सुरक्षित रखना है, तो उसके लिए आज हम आपको कुछ स्मार्ट ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आपके पौधे सूखने से बच जाएंगे और आपका गार्डन हरा-भरा बना रहेगा। आइए जान लेते हैं कुछ उपयोगी तरीके।

ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर लगवाएं

गर्मियों में पेड़-पौधों के साथ सबसे ज्यादा पानी की दिक्कत होने लगती है। इस मौसम में यदि आप एक दिन भी प्लांट्स में पानी नहीं देते है, तो आपके पौधे सूखने और मुरझाने लगते हैं। ऐसे में यदि आप कई दिन के लिए घर से बाहर जा रहे हैं, तो इसके लिए आजकल बाजारों में और ऑनलाइन ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर मिल रहा है। जिसको आप अपने बीच गार्डन में लगा सकती हैं। इसमें से थोड़ी-थोड़ी देर में पानी स्प्रिंकल होता रहेगा जिससे गमले और जमीन में लगे प्लांट्स में पानी जाता रहेगा। इससे आपके प्लांट्स सूखने और मुरझाने से बच जाएंगे।

शेड के नीचे रखें प्लांट्स

यदि आपका अचानक कहीं जाने का प्लान बन गया है, तो आप उसके लिए अपने सभी प्लांट्स को गार्डन में बने शेड के नीचे रखें। इससे उनपर तेज धूप नहीं पड़ेगी और वो खराब भी नहीं होंगे। शेड आपके पौधे को सूखने से बचाने का अच्छा और आसान तरीका है।

ग्रीन पर्दा लगाएं

आपने देखा होगा लोग अपने घर की बालकनी में सीधे धूप को आने से रोकने के लिए हरे रंग का पर्दा टांग देते हैं। इस पर्दे को आप अपने गार्डन में सभी गमले वाले प्लांट्स को एक जगह रखकर टांग सकती हैं। ऐसा करने से आपके पौधे सीधी धूप से बच जाएंगे। ऐसे में उनके फूल और पत्तियां जल्दी नहीं सूखेंगे और आपका गार्डन 3-4 दिन तक हरा-भरा बना रहेगा।

मल्चिंग करें

अगर आपके घर में या किसी पडोसी के हाल फिलहाल में लकड़ी का काम हुआ है, तो लकड़ी से निकलने वाली कतरन लेकर आएं और उसका अच्छी तरह चूरा बन लें। अब इसको एक बड़ा टब लेकर उसमें डालकर रखें। करीब आधा घंटा इस लकड़ी के चूरे को ऐसे ही भीगा रहने दें। अब आप गमले और जमीन में लगे प्लांट्स की मिट्टी की हल्की गुड़ाई करें और लकड़ी के चूरे को मिट्टी में रखें। इसके बाद अच्छी तरह पानी डालें। ऐसा करने से आपके प्लांट्स में कई दिनों तक पानी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लकड़ी से उनकी मिट्टी में कई दिन तक नमी बनी रहेगी। इससे पौधे सूखेंगे नहीं। इसको पौधों की मल्चिंग करना कहते हैं।

अपने बच्चे के लिए इस तरह करें फाइनेंशियल प्लानिंग

बच्चे का भविष्य सुरक्षित करना चाहती है तो अभी से ही फाइनेंशियल प्लानिंग करिए। लाइफ इंश्योरेंस और पीपीएफ जैसे प्लान लेकर आप बच्चे की भविष्य की जरूरतों के लिए धन इकट्ठा कर सकती हैं।

हर मां चाहती है कि उनके बच्चे का भविष्य सिवयोर रहे। बच्चे के खान-पान और सेहत के साथ-साथ उसके भविष्य को लेकर मां फिक्रमंद रहती है। बड़े होने पर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले और उसकी हर इच्छा पूरी करने के लिए वित्त की व्यवस्था हो, ऐसी हर मां की कामना होती है। लेकिन एक तथ्य यह है कि महंगे होते लाइफस्टाइल और शिक्षा के खर्च के चलते बचपन में मां बच्चों से जुड़े खर्च को लेकर चिंता में पड़ जाती हैं। आइए जानें कि बच्चे के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए किस तरह की प्लानिंग की जा सकती है-

बीमा को दें प्राथमिकता

अपना और अपने पति का लाइफ इंश्योरेंस कराएं। बचत और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए टर्म इंश्योरेंस भी ले सकती। इसमें अपनी जरूरत के अनुसार कई तरह के राइडर्स लिए जा सकते हैं ताकि आपकी वित्तीय जरूरतें पूरी हो सकें। जीवन बीमा के बाद आपको किसी और जगह निवेश के बारे में सोचना चाहिए। आर्थिक विशेषज्ञ बताते हैं, अपना और अपने परिवार का भविष्य संवारने के लिए हर व्यक्ति को बीमा कराना चाहिए, लेकिन पॉलिसी खरीदने से पहले कुछ अहम बातों का ध्यान रखें, जैसे कि पॉलिसी में बीमा सुरक्षा उसके जीवन के लिए हो। यदि पॉलिसीधारक यानी पैरेंट की मौत हो जाती है, तो उस स्थिति में प्रीमियम ना देने का प्रावधान हो, बच्चे को मजबूत फाइनेंशियल सिक्योरिटी देने के लिए उसके पैदा होने के 4 महीने के भीतर चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान ले लेना चाहिए। बच्चों के लिए एलआईसी की ढेर सारी अच्छी योजनाएं हैं जैसे कि जीवन अनुराग, कोमल जीवन, जीवन किशोर, जीवन छाया आदि। सारे टर्म्स एंड कंडिशन पढ़ने के बाद निवेश करें।

ईटीएफ में करें निवेश

अगर आपके पास शादी के समय में मिला काफी सारा सोना हो तो आप उसका निवेश करने के बारे में भी विचार कर सकती हैं। सोने में निवेश के आपको अच्छे रिटर्न मिलते हैं। आप अपने बेटा-बेटी दोनों के लिए सोने की पारंपरिक खरीदारी के अलावा गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) खरीद सकती हैं। ईटीएफ में निवेश करने की स्थिति में आपको 20 से 28 प्रतिशत तक रिटर्न मिलने की संभावना होती है। वहीं आपको सोना खरीदने या उसे सेफ रखने की चिंता भी नहीं होती। एसबीआई म्यूचुअल फंड का ईटीएफ, गोल्ड बेंचमार्क ईटीएफ सरीखे देश में 6 गोल्ड ईटीएफ मौजूद हैं, जिनमें आप निवेश कर सकती हैं।

एफडी और पीपीएफ भी अच्छे विकल्प

रिफट में मिली या सेविंग से बचाई रकम को आप पीपीएफ अकाउंट में भी जमा कर सकती हैं, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं होता है। पीपीएफ में आमतौर पर 8ह्न का ब्याज मिलता है। पीपीएफ के अलावा आप बैंक में एफडी करा सकती है, इसमें 8.5 फीसदी तक ब्याज मिल सकती है वहीं राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) लेने पर भी आप विचार कर सकती हैं। इसके अलावा आप डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड लेने के बारे में सोच सकती हैं। इससे आप अपने बच्चे की सारी जरूरतें पूरी कर सकती हैं। इसमें सबसे अच्छी बात इस प्लान की फ्लेक्सिबिलिटी। अपनी जरूरत के अनुसार आप जब चाहें, पैसे निकाल सकती हैं। आप जब चाहें, इस इन्वेस्टमेंट प्लान से एक्जिट कर सकती हैं। साथ ही इसमें रिटर्नस भी काफी हद तक टैक्स फ्री होते हैं।

स्लाइडिंग डोर के ट्रैक्स को चुटकियों में क्लीन करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में घर में लोग स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल करने लगे हैं। लेकिन स्लाइडिंग डोर के ट्रैक्स को क्लीन करने में काफी परेशानी आती है। अगर आप इसे आसान तरीके से क्लीन करना चाहती हैं तो इन टिप्स को अपनाएं।

घरों में स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल करना अब बेहद ही आम हो चुका है। अमूमन लोग अब घरों में छोटी खिड़कियों की जगह कांच के स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल करने लगे है। इतना ही नहीं, घरों में जिन लकड़ियों की अलमारी को बनवाया जाता है, उसमें भी स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल किया जाता है। स्लाइडिंग डोर को क्लीन करना आसान होता है, लेकिन उसके ट्रैक की सफाई करने में काफी मुश्किल होती है।

स्लाइडिंग डोर ट्रैक में अक्सर गंदगी जमा हो जाती है, जिन्हें आसानी से साफ नहीं किया जा सकता। ऐसे में उन्हें क्लीन करने के लिए आपको अतिरिक्त उपाय अपनाने की जरूरत होती है। स्लाइडिंग डोर ट्रैक को अगर समय-समय पर सही तरह से क्लीन किया जाए तो इससे आपको डोर के अटकने या जल्द खराब होने की शिकायत नहीं होती है।

धूल और सूखी गंदगी को करें साफ

जब आप स्लाइडिंग डोर ट्रैक को क्लीन कर रही हैं तो शुरुआत सबसे पहले धूल और सूखी गंदगी को साफ करने से करें। इसके लिए वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, किसी भी चिपकी हुई गंदगी को हटाने के लिए एक कड़े ब्रश का उपयोग करें। खासकर कोनों में क्लीनिंग के लिए ब्रश बहुत अधिक प्रभावी है। वहीं, किसी भी बची हुई धूल या गंदगी को पोंछने के लिए एक नम कपड़े का उपयोग करें। सुनिश्चित करें कि कपड़ा बहुत गीला न हो ताकि ट्रैक में नमी न रह जाए। यह स्लाइडिंग डोर ट्रैक की नियमित रूप से क्लीनिंग व मेंटेनेंस का एक आसान लेकिन प्रभावी तरीका है।

बेकिंग सोडा और विनेगर का करें इस्तेमाल

वहीं स्लाइडिंग डोर ट्रैक की डीप क्लीनिंग के लिए बेकिंग सोडा और विनेगर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए, आप ट्रैक पर समान रूप से बेकिंग सोडा को स्प्रिंकल करें। अब बेकिंग सोडा के ऊपर व्हाइट विनेगर डालें। यह फिज करना शुरू कर देगा, जो मैल और चिपकी हुई गंदगी को तोड़ने में मदद करता है। अब आप स्लाइडिंग डोर ट्रैक को साफ करने के लिए एक कड़े ब्रश या पुराने टूथब्रश का उपयोग करें। अब पेपर टॉवल की मदद से अवशेषों को सोख लें। अंत में, इसे एक नम कपड़े से पोंछें।

ट्रैक को करें ल्यूब्रिकेट

आप सबसे पहले ट्रैक को साफ करें। इसके लिए वैक्यूम क्लीनिंग की मदद लें। अब आप ट्रैक पर सिलिकॉन-बेस्ड लुब्रिकेंट स्प्रे करें। यह बेहद जरूरी है, क्योंकि इससे बार-बार ट्रैक के अटकने की शिकायत नहीं होती है, क्योंकि घर्षण कम होता है। आप ट्रैक पर समान रूप से लुब्रिकेंट फैलाने के लिए दरवाजा कई बार खोलें और बंद करें। स्लाइडिंग डोर ट्रैक के लिए सिलिकॉन-आधारित लुब्रिकेंट को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि वे ऑयल बेस्ड लुब्रिकेंट की तरह धूल को आकर्षित नहीं करते हैं।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइंस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर आपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉर्डर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और कैरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती है। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं। कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती है। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती - अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती - यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती -आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती - आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है। इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक रिकन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

अपनी रिकन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली रिकन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी रिकन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने रिकन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी रिकन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी रिकन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

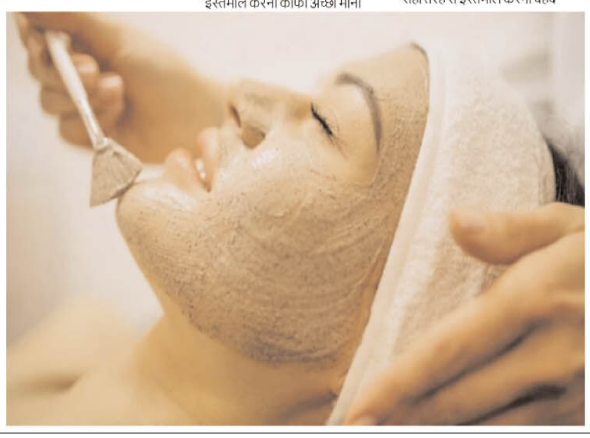

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक रिकन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी रिकन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोजाना लगाने वाली चीज नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी रिकन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही है, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी रिकन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करो। मसलन, अगर आपकी रिकन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली रिकन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी रिकन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

संक्षिप्त समाचार

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही ने ली जान, बिना रस्सी बांधे युवती को पुल से नीचे फेंका

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील में 21 साल की एक युवती के लिए एडवेंडचर के शौक ने उसकी

जान ले ली। ब्राजील के साओ पाउलो में जो हुआ, उसे देख वहां मौजूद लोग सहम उठे। एक एडवेंचर कंपनी की रूह कंपा देने वाली लापरवाही की वजह से एक लड़की ने बिना बंजी कॉर्ड बंधे ही 35 मीटर की ऊंचाई से नीचे छलांग लगा दी। इस हादसे में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बता दें कि यह हादसा साओ पाउलो राज्य के लिमेइरा और कोर्डेइरोपोलिस शहरों को जोड़ने वाले ब्रिज 'पोंटे डो एस्केलेटो' पर हुआ है। ये पुल पिछले लगभग तीन दशकों से बंद पड़ा हुआ है। हाल के दिनों में यह बंद पुल एडवेंचर के शौकीनों और पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा जगह बन गया था। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस जगह पर सरकार या किसी आधिकारिक संस्था की कोई निगरानी या फिर सुरक्षा रेगुलेशन नहीं लागू था। वीडियो बनाने के चक्कर में मौत स्थानीय मीडिया की मानें तो मृतका मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रीटास ने इस खतरनाक बंजी जंपिंग के लिए और सलाथ ही इस एडवेंचर का वीडियो शूट कराने के लिए 'एंट्रे कोर्डास' नाम की एक निजी कंपनी को लगभग 290 डॉलर, जो भारतीय रुपये में लगभग 24,500 है, दिया था। एडवेंचर कंपनी की लापरवाही से जिस वीडियो को लड़की अपनी यादों में समेटना चाहती थी, वही उसकी जिंदगी का आखिरी वीडियो साबित हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि युवती से पहले तीन और लोगों ने वहां से बंजी जंपिंग की थी, जो सुरक्षित रहे। खौफनाक वीडियो आया सामने इसके बाद जब इस लड़की की बारी आई, तो वहां मौजूद क्रू मेंबर्स की लापरवाही ने सुरक्षा नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि ये घोर लापरवाही का मामला है। क्रू मेंबर्स ने लड़की को धक्का देने या फिर कूदने का इशारा करने से पहले सुरक्षा जांच तक नहीं की। हादसे के दौरान पुल पर मौजूद अन्य पर्यटकों ने जब इस पूरी घटना को अपने कैमरों में रिकॉर्ड किया, तो वहां का नजारारूह कंपा देना वाला था। जैसे ही युवती ने पुल से छलांग लगाई, वहां खड़े लोगों को तुरंत नजर आ गया कि उसके पैर या शरीर से कोई भी रस्सी जुड़ी हुई ही नहीं है। देखते ही देखते वहां चीख-पुकार मच गई। लड़की सीधे 35 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में अब तक ब्राजील पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

हवा में टकराए दो हेलिकॉप्टर और बन गए आग का गोला

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पश्चिमी रियो डी जनेरियो में रविवार को दो हेलीकॉप्टरों की हवा में टकराकर गिर गए। इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। टकराकरक गिरने के बाद दोनों हेलिकॉप्टर में भीषण आग लग गई और जमीन पर खड़ी कई गाड़ियां भी जल गई। ये हादसा शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित घनी आबादी वाले उपनगर रेक्रेयो डॉस बांदेइरांतेस में हुई। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए और फिर जमीन पर गिर पड़े, जिससे भीषण आग लग गई। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, रविवार सुबह रियो डी जनेरियो के आसमान में दो हेलिकॉप्टरों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर शहर के पश्चिमी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। फायरफाइटर्स के अनुसार, हादसे में हेलिकॉप्टरों में सवार सभी छह लोगों की जान चली गई। रियो डी जनेरियो के मिलिट्री फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टरों में से एक एक कार डीलरशिप पर गिरा, जहां कई इलेक्ट्रिक वाहन खड़े थे। हेलिकॉप्टर के गिरने से वहां आग भड़क उठी, जिसे बाद में दमकलकर्मियों ने काबू कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि हेलिकॉप्टरों के मलबे के हिस्से दूर-दूर तक जा गिरे। धड़ के टुकड़े लगभग 100 मीटर के दायरे में बिखर गए। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा पास स्थित एक इमारत की छत पर मिला।

अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते को लेकर इस्राइल में राजनीतिक विवाद शुरू

दुश्मनों के पास आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था- ईरानी सेना

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते को लेकर इस्राइल में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलन ने इस समझौते को इस्राइल के लिए खराब करार देते हुए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस्राइली वायुसेना और सैनिकों के साहस से हासिल सैन्य उपलब्धियां इस समझौते के कारण कमजोर पड़ गई हैं। गोलन ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू ने देश की रणनीतिक बढ़त गंवा दी और पूर्ण विजय का वादा करने के बावजूद इस्राइल को कमजोर स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने इसे वर्षों की नीतिगत विफलताओं का परिणाम बताया। शांति समझौते के बीच जमी संपत्तियों पर नया विवाद अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के बीच ईरान की जमी हुई संपत्तियों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। मीडिया

रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका 12 अरब डॉलर की ईरानी संपत्तियां जारी करने पर विचार कर रहा है। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी ने दावा किया है कि 60 दिनों की वार्ता अवधि के दौरान कुल 24 अरब डॉलर की जमी हुई संपत्तियां जारी की जाएंगी, जिनमें से आधी राशि बातचीत शुरू होने से पहले उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि ईरान की ओर से समझौते की शर्तें लागू किए बिना कोई राशि जारी नहीं की जाएगी। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही अमेरिका-ईरान शांति समझौते की घोषणा कर चुके हैं। ईरान ने भी कहा है कि अंतिम समझौते पर आगे बढ़ने से पहले वह अमेरिका की प्रतिबद्धताओं, नाकाबंदी हटाने और संपत्तियां जारी करने जैसे वादों का सत्यापन करेगा। शांति समझौते पर शुक्रवार को जिनेवा में हस्ताक्षर होने की संभावना है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम और शांति समझौते की घोषणा के बाद ईरानी सेना ने बड़ा दावा किया है। ईरान के सैन्य मुख्यालय ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि उसने युद्ध के दौरान अमेरिका और इस्राइल को अपमानित किया और उन्हें हार स्वीकार करने पर मजबूर कर दिया। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित बयान में कहा गया कि ईरानी बलों ने अपनी सैन्य क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए विरोधियों को पीछे हटने पर मजबूर किया। ईरानी सेना के अनुसार, दुश्मनों के पास पराजय और आत्मसमर्पण स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। स्टार्मर ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली तकनीकी वार्ताओं का समर्थन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब ध्यान समझौते को प्रभावी रूप से लागू करने पर होना चाहिए, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह और स्थायी रूप से खुला रह सके। स्टार्मर ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस जलमार्ग में 'टोल-फ्री नेविगेशन' की सुविधा तुरंत बहाल की जानी चाहिए।

भारत-स्लोवाकिया संबंधों को नई मजबूती पर फोकस

स्लोवाकिया पहुंचे पीएम, भारत-स्लोवाकिया संबंधों को नई मजबूती देने पर रहेगा फोकस

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। पीएम मोदी ने ब्रातिस्लावा आगमन के दौरान स्लोवाकिया के म्यावा क्षेत्र के प्रसिद्ध बाल लोक-नृत्य समूह 'कोपानिसियारिक' द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक लोक नृत्य का आनंद लिया। यह प्रस्तुति वहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। उनके आगमन पर उनका स्वागत पारंपरिक रीति के अनुसार रोटी और नमक के साथ किया गया, जो स्लोवाकिया की गहरी सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। स्लोवाक संस्कृति में रोटी और नमक का स्वागत अतिथि-सत्कार, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक माना जाता है। इसमें रोटी समृद्धि और जीवन-निर्वाह का संकेत देती है, जबकि नमक मित्रता, मूल्य और सुरक्षा का प्रतीक होता है। यह परंपरा स्लाविक संस्कृति में गहराई से जुड़ी हुई है और अतिथियों के प्रति सम्मान तथा अपनत्व व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। संगीत प्रस्तुति के साथ हुआ

प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत ब्रातिस्लावा स्थित अपने होटल पहुंचने पर पीएम मोदी ने एक आध्यात्मिक प्रस्तुति भी देखी, जिसे स्लोवाकिया के संगीत समूह महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट ने प्रस्तुत किया। इसके अलावा स्लोवाकिया के प्रसिद्ध सांस्कृतिक समूह ल्यूक्निका एन्सेम्बल ने वंदे मातरम की मनमोहक प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में रविवार को स्लोवाकिया पहुंच गए।

मैक्रों ने शेयर किया पीएम मोदी से मुलाकात का वीडियो, बैकग्राउंड में बज रहा था धुरंधर का ये गाना

नीस, एजेंसी। बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों में शामिल आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का लोकप्रिय गीत 'आरी आरी' अब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को भी पसंद आ गया है। मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीस यात्रा की प्रमुख झलकियों को साझा करते हुए इस गाने का इस्तेमाल किया। मैक्रों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें 'आरी आरी' गाने की धुन का इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा था, 'फ्रांस के पास सभी क्षमताएं हैं। यहां न तो प्रतिभा की कमी है और न ही ऊर्जा की।' धुरंधर फिल्म का यह गाना आत्माओं के मिलन और बदलती हवाओं की बात करता है, जिसे भारत-फ्रांस संबंधों और बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नीस स्थित विला केरीलोस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस वर्ष भारत और फ्रांस के संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचाए जाने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने रक्षा सहयोग के सभी क्षेत्रों में हुई प्रगति और उसकी गहराई पर संतोष व्यक्त किया तथा रक्षा प्लेटफॉर्म और उन्नत प्रौद्योगिकियों के सह-डिजाइन, सह-विकास और सह-उत्पादन पर विशेष ध्यान देते हुए इसे और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की समृद्ध विरासत का जिक्र किया और मानव अंतरिक्ष उड़ान तथा स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के सहयोग को बढ़ाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया। असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों नेताओं ने कहा कि भारत का शांति अधिनियम छोटे और उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों सहित सहयोग के नए अवसर प्रदान करता है।

ज्वालामुखी के किनारे कर रहा था स्टंट: एक गलती और खत्म हो गई जिंदगी; यमन के स्पाइडरमैन की जिंदगी का दर्दनाक अंत

सना, एजेंसी। यमन के मशहूर एडवेंचर क्रिएटर और सोशल मीडिया स्टार अंतर अल अब्सी, जिन्हें लोग 'यमन का स्पाइडरमैन' कहते थे, की एक खतरनाक स्टंट के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। 30 वर्षीय अंतर अल अब्सी दक्षिणी यमन के अल धाले प्रांत स्थित हराधत दमत ज्वालामुखीय क्रेटर की खड़ी चट्टानों पर चढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे क्रेटर में गिर गए। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को झकझोर दिया है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अंतर अल अब्सी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ज्वालामुखीय क्रेटर की लगभग सीधी चट्टान पर चढ़ रहे थे। वीडियो में वह चट्टान से लटके हुए दिखाई देते हैं, लेकिन कुछ ही क्षण बाद उनकी पकड़ छूट जाती है और वह नीचे गिर जाते हैं। बताया गया है कि यह क्रेटर करीब 120 मीटर गहरा है। हादसे के बाद तुरंत बचाव दल को

मौके पर भेजा गया।

यमन के नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण ने विशेष बचाव दल, गोताखोरों और जल-रिकवरी टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। हालांकि दुर्गम और पथरीले इलाके के कारण राहत कार्य आसान नहीं था। करीब चार घंटे तक चले अभियान के बाद गोताखोरों ने क्रेटर के भीतर मौजूद पानी से अंतर अल अब्सी का शव बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, शव पानी की सतह से लगभग 30 मीटर नीचे मिला।

अंतर अल अब्सी यमन के सबसे चर्चित एडवेंचर कंटेंट क्रिएटर्स में शामिल थे। वह ऊंचे पहाड़ों, खड़ी चट्टानों और ज्वालामुखीय इलाकों में जाकर जोखिम भरे स्टंट करते थे। उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें वह बिना रस्सी और सुरक्षा उपकरणों के खतरनाक ऊंचाइयों पर चढ़ते नजर आते थे। उनकी इसी शैली के कारण लोगों ने उन्हें 'यमन का स्पाइडरमैन' नाम दिया था। इस घटना के बाद अधिकारियों ने एडवेंचर प्रेमियों और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकप्रियता हासिल करने की होड़ में सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि खतरनाक स्टंट करते समय हेलमेट, हार्नेस और अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना बेहद जरूरी है। अंतर अल अब्सी की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता के लिए जान जोखिम में डालना कितना खतरनाक हो सकता है।

अमेरिका ने दी सफाई: जहाज पर हमले से पहले 60 बार दी थी चेतावनी, अटैक में तीन भारतीयों की गई थी जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। जहाज पर हमले और उसमें तीन भारतीयों की मौत के बाद भारत ने कड़ी नाराजगी जताई। चौतरफा घिरने के बाद अब अमेरिका ने सफाई दी है। अमेरिका के एक अधिकारी ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में पालाऊ के झंडे वाले जहाज पर हमले से पहले लगभग 60 मौखिक चेतावनियां दी थीं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि चेतावनियों के बाद कम-से-कम आठ बार जहाज को शक्ति प्रदर्शन के जरिए भी आगाह किया गया था। इसके बावजूद भी जब जहाज ने अमेरिकी निर्देशों की अनदेखी की, तो उस पर हमला किया गया। इस हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जिसे लेकर भारत ने अमेरिका के सामने नाराजगी भी जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने जहाज को रोकने के लिए फ्लेयर्स दागे, युद्धक विमानों से कई बार उड़ान भरवाई और गोलीबारी से पहले दो अंतिम चेतावनियां भी जारी कीं। इसके बाद अमेरिकी सेना के एक विमान ने जहाज के इंजन कक्ष को निशाना बनाते हुए हमला किया, ताकि जहाज को निष्क्रिय किया जा सके। इसी कार्रवाई में तीन भारतीय चालक दल के सदस्यों की मौत हुई। शैडो फ्लीट का हिस्सा होने का दावा अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि जिस जहाज

पर हमला हुआ, वह तथाकथित शैडो फ्लीट का हिस्सा था, जिसका उपयोग ईरानी तेल के अवैध परिवहन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने के लिए किया जाता रहा है। अधिकारी के अनुसार, जहाज ने कई बार अमेरिकी नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि जहाज को निष्क्रिय करने से पहले चालक दल को इंजन रूम खाली करने के लिए 15 मिनट का समय भी दिया गया था। हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत की घटना के बाद भारत सरकार ने नई दिल्ली में अमेरिकी प्रभारी राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। यही वजह है कि घिरने के बाद अमेरिका इस मुद्दे पर सफाई पेश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को अपने भारतीय विदेश मंत्री से बातचीत में कहा कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी बलों के निर्देशों का तत्काल पालन करना चाहिए।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते से राहत

होर्मुज जलडमरूमध्य में काम कर रहे भारतीय नाविकों और वाणिज्यिक जहाजों के लिए राहत की खबर यह है कि अमेरिका और ईरान सैन्य संघर्ष समाप्त करने पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों के बीच सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तत्काल और स्थायी रूप से समाप्त करने का समझौते का एलान हुआ है, जिससे मध्य पूर्व में तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध के अंत के संकेत मिले हैं। इस समझौते पर 19 जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर होंगे।

● राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित

रूस ने यूक्रेन पर फिर बरसाया कहर: धार्मिक स्थल में लगी आग, बमबारी की चपेट में आए नागरिक ठिकाने

कीव, एजेंसी। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। इस हमले में खारकीव में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कीव में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई रिहायशी इमारतों, बाजारों और नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा। सबसे गंभीर नुकसान यूक्रेन के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में से एक कीव-पेचेर्स्क लावरा को हुआ, जहां भीषण आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस पर जानबूझकर नागरिक ठिकानों और सांस्कृतिक धरोहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

क्या खारकीव में बचावकर्मी भी हमले का शिकार बने?

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेनको के अनुसार, खारकीव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाने पहुंचे बचावकर्मी दूसरे हमले की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य

आपातकालीन कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय किया गया जब राहत और बचाव कार्य जारी था। यूक्रेनी प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना बताया है। वहीं राजधानी कीव में भी बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोन के जरिए कई हमले किए गए, जिसके बाद लोगों को भूमिगत शरणस्थलों में जाना पड़ा।

क्या रूस ने जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाया?

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने दावा किया कि रूस ने जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले में 30 मिनट के भीतर पांच हमले हुए, जिनमें एक 25 मंजिला अपार्टमेंट भवन को भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा एक बाजार और किराना स्टोर में भी आग लग गई। ओबोलोंस्की जिले में नौ मंजिला आवासीय इमारत सीधे हमले की चपेट में आई। अधिकारियों के अनुसार, हमलों में एक बच्चे समेत 13 लोगों को चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ी। यूक्रेन का आरोप है कि इन हमलों का उद्देश्य नागरिकों में भय पैदा करना और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना था।

डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद तेल बाजार में नरमी

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान दोनों देशों ने शांति समझौते पर सहमति बनने का दावा किया है। इस घटनाक्रम के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों, कूटनीतिक गलियारों और ऊर्जा क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एलान के बाद जहां तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, वहीं कई देशों ने इस समझौते का स्वागत भी किया।

ईरान ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की: ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि तेहरान प्रस्तावित 60 दिन की वार्ता अवधि में अंतिम समझौते के लिए तभी प्रवेश करेगा, जब वह शत्रुता समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और ईरानी संपत्तियों को जारी करने संबंधी वॉशिंगटन की प्रतिबद्धताओं का सत्यापन कर लेगा। ईरान के सरकारी संबद्ध प्रेस टीवी के अनुसार, गरीबाबादी ने कहा कि समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार को होगा, जिसके बाद समझौता ज्ञापन सार्वजनिक किया जाएगा।

कच्चे तेल कीमतों में बड़ी गिरावट: अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ समझौता पूरा होने का दावा किए जाने के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होने की उम्मीद बढ़ी, जिसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिखाई दिया। रविवार को वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 3.9 प्रतिशत गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। वहीं अमेरिकी क्रूड में 4.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत लगभग 81 डॉलर प्रति बैरल रह गई।

ब्रिटेन और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने दी प्रतिक्रिया: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली तकनीकी वार्ताओं का समर्थन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब ध्यान समझौते को प्रभावी रूप से लागू करने पर होना चाहिए, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह और स्थायी रूप से खुला रह सके। स्टार्मर ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस जलमार्ग में 'टोल-फ्री नेविगेशन' की सुविधा तुरंत बहाल की जानी चाहिए, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति को स्थिरता मिल सके। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने इसे संघर्ष के तत्काल और स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। गुटेरेस ने पाकिस्तान, कतर, मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की सहित कई क्षेत्रीय देशों की सराहना की, जिन्होंने इस समझौते तक पहुंचने में रचनात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह समझौता आगे की वार्ताओं के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

कतर ने समझौते का किया स्वागत: कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के लिए अनुकूल माहौल बनाने में योगदान देने वाले सभी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय पक्षों का धन्यवाद किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी वार्ताएं सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में आगे बढ़ेंगी और इस प्रगति को और मजबूत करेंगी।

जेडी वेंस के समारोह में शामिल होने की संभावना: अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को कहा कि वह वाशिंगटन और तेहरान के बीच होने वाले मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर करेगा कि वह स्वयं इसमें शामिल होते हैं या नहीं। जेडी वेंस ने फॉक्स न्यूज को दिए एक फोन इंटरव्यू में बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां अभी अंतिम चरण में नहीं हैं और लॉजिस्टिक्स पर काम जारी है।

दीपिका के दो गोल, भारत ने नेशंस कप में अमेरिका को हराया

ऑकलैंड (एजेंसी)। दीपिका के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को यहां एफआईएच नेशंस कप के पूल ए के अपने पहले मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका पर 3-2 से जीत हासिल की। भारत की तरफ से दीपिका के दो गोल के अलावा नवनीत कौर ने भी एक गोल किया। अमेरिका की ओर से एशले सेसा और मैडलीन ज़िमर ने गोल किए। नेशंस कप की विजेता टीम अगले सत्र में प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इससे बाहर हो गया था। अमेरिका ने शानदार शुरुआत की और एशले ने चौथे मिनट में ही मैदानी गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके महज तीन मिनट बाद अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब मैडलीन ज़िमर (सातवें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया और धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ बना दी। भारत को आक्रामक अंदाज में खेलने का फायदा दूसरे क्वार्टर के शुरू में मिला जब ड्रैग-फ्लिकर विशेषज्ञ दीपिका (17वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और उसने दूसरे क्वार्टर में फिर से एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दीपिका (24वें) एक बार फिर आगे बढ़ीं और उन्होंने फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से पहले एक और गोल करके मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया। नवनीत (28वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 3-2 से आगे था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के अच्छे प्रयास किए। मैच में दोनों टीमों ने छह-छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन आखिरी दो क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रहीं। इस तरह से भारत ने अंत तक अपनी बढ़त कायम रखते हुए तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किये। इस जीत से भारत तीन अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष पर काबिज जापान के भी तीन अंक हैं लेकिन उसका गोल अंतर भारत से बेहतर है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

● टी20 वर्ल्ड कप का 8 साल पुराना रिकॉर्ड चकनाचूर

एजबेस्टन (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में कप्तान हरमनप्रीत कौर टी20 वर्ल्ड कप में भारत की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। मैच शुरू होने से पहले वह मिताली राज के साथ 726 रनों पर संयुक्त रूप से शीर्ष पर थीं और अपनी पहली ही गेंद पर उन्होंने पूर्व कप्तान को पीछे छोड़ दिया। भारतीय कप्तान को जल्दी मैदान पर आना पड़ा क्योंकि भारत ने शुरुआती 20 गेंदों में ही शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के विकेट गंवा दिए थे। हरमनप्रीत ने 35 गेंदों पर 36 रन बनाए जिसमें 4 चौके शामिल थे। इतना ही नहीं उन्होंने तीसरे विकेट के लिए धमाकेदार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के साथ 91 रन की साझेदारी निभाई जिससे ना सिर्फ हरमनप्रीत टी20 विश्व कप में भारतीय महिला टीम की सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी बल्कि भारत की जीत में भी यह साझेदारी काम आई। हरमनप्रीत के टी20 विश्व कप में 762 रन हो गए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर मौजूद मिताली राज ने 726 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर स्मृति मंधाना हैं जिन्होंने 592 रन बनाए हैं। चौथे स्थान पर भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और पांचवें पर पुनम राऊत हैं जिन्होंने क्रमशः 408 और 375 रन बनाए हैं।

टी-20 के लिए सर्वाधिक रन

762 - हरमनप्रीत कौर*
726 - मिताली राज
592 - स्मृति मंधाना
408 - जेमिमा रोड्रिग्स
375 - पुनम राऊत

भारत बनाम पाकिस्तान मैच – मैच की बात करें तो सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के पांच विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के रूप एक मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास, पाकिस्तान के खिलाफ घातक गेंदबाजी से तोड़ा टी20 का बड़ा रिकॉर्ड

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में दीप्ति ने सिर्फ 10 रन देकर 5 विकेट झटके और भारत को 64 रन की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

टी20 क्रिकेट की सबसे सफल गेंदबाज बनी दीप्ति – इस पांच विकेट के प्रदर्शन के साथ दीप्ति शर्मा ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब उनके नाम 145 टी20 मैचों में 166 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने थाईलैंड की स्पिनर थिपाचा पुथावोंग (165 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। महिला क्रिकेट की दिग्गज गेंदबाजों में शामिल ऑस्ट्रेलिया की मेगन शुट्ट 152 विकेट के साथ इस सूची में चौथे स्थान पर हैं।

झूलन गोस्वामी का रिकॉर्ड भी टूटा – दीप्ति का 5/10 का आंकड़ा अब महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बन गया है। उन्होंने झूलन गोस्वामी का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5/11 का प्रदर्शन किया था। वहीं महिला टी20 विश्व कप में भी यह भारत की ओर से दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले रेणुका सिंह ठाकुर ने 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ 5/15 विकेट लिए थे।

गेंद और फील्डिंग दोनों में चमकीं दीप्ति – भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 170/6 का मजबूत स्कोर बनाया, जिसमें दीप्ति ने भी 9 गेंदों में 12 रन की तेज पारी खेली। गेंदबाजी में उन्होंने पाकिस्तान की शुरुआत बिगाड़ते हुए गुल फिरोजा और आयशा जफर को आउट किया। इसके बाद मुनीबा अली को शानदार डायरेक्ट हिट से रन आउट किया और फिर आलिया रियाज, नशरा संधू और तास्मिया रुबाब के विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई।

दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के बाद किया हनुमान जी का जिक्र

पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप के रुप मैच में 10 रन देकर 5 विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के बाद अपने इस प्रदर्शन का श्रेय पूरी टीम को दिया। साथ ही दीप्ति ने कहा कि हनुमान जी महान हैं। भारत ने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (68) के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के पांच विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के रुप एक मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ की स्पिनर चरणी (21 रन पर तीन विकेट) और शैफाली वर्मा (22 रन पर एक विकेट) ने भी दीप्ति का अच्छा साथ निभाया। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत आभारी हूं। मुझे इस तरह की पिचें पसंद हैं, इसका पूरा श्रेय टीम को जाता है और मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, हनुमान जी महान हैं।

फीफा वर्ल्ड कप

जर्मनी ने रचा इतिहास, ब्राजील को पछाड़ विश्व कप में बनाया सबसे बड़ा रिकॉर्ड

मॉन्टेरी (मैक्सिको) (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 में जर्मनी ने अपने पहले रुप मैच में कुराकाओ को 7-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इस बड़ी जीत के साथ जर्मनी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बन गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जर्मनी के नाम अब विश्व कप में कुल 239 गोल हो गए हैं, जबकि ब्राजील 238 गोल के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया है।

विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीमें

कुराकाओ के खिलाफ इस मैच के बाद विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों की सूची इस प्रकार है-

जर्मनी - 239 गोल
ब्राजील - 238 गोल
अर्जेंटीना - 152 गोल
फ्रांस - 136 गोल
इटली - 128 गोल

मैच में जर्मनी का दबदबा – जर्मनी ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। छठे मिनट में फेलिक्स नमेचा ने फ्लोरियन विर्ट्ज़ के पास पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि 21वें मिनट में लिवानो कोमेनेसिया ने गोल दागकर कुराकाओ को बराबरी दिलाई और अपनी टीम के लिए विश्व कप इतिहास का पहला गोल भी दर्ज किया।इसके बाद जर्मनी ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 38वें मिनट में निको श्लॉटरबेक ने हेडर से गोल किया, जबकि काई हैवर्ट्ज़ ने पेनल्टी को गोल में बदलकर हाफ टाइम तक स्कोर 3-1 कर दिया।

दूसरे हाफ में गोलों की बारिश – ब्रेक के बाद जर्मनी ने कुराकाओ की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। जमाल मुसियाला, नाथानिएल ब्राउन और डेनिज उंडाव ने एक-एक गोल दागा। इसके बाद काई हैवर्ट्ज़ ने अपना दूसरा गोल करते हुए टीम की 7-1 की शानदार जीत पर मुहर लगा दी।

हार के बावजूद कुराकाओ के लिए ऐतिहासिक पल – पहली बार विश्व कप में खेल रही कुराकाओ की टीम को भले ही बड़ी हार झेलनी पड़ी, लेकिन लिवानो कोमेनेसिया का गोल देश के फुटबॉल इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया।

स्वीडन ने यासीन अयारी के दो गोल से ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

यासीन अयारी के दो गोल की मदद से स्वीडन ने रविवार की रात को ट्यूनीशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अयारी ने एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में स्वीडन के लिए सातवें मिनट और दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में तबी दूरी से गोल दागकर स्कोर की शुरुआत और अंत किया। उन्होंने संयमित तरीके से जश्न मनाया और अपने पिता के जन्मस्थान के प्रति सम्मान दिखाते हुए अपने हाथ ऊपर उठाए। अलेक्जेंडर इसाक (30वें मिनट) और विक्टर ग्योकेरेस (59वें) ने एक-एक गोल करने के साथ एक दूसरे के गोल में मदद की। स्वीडन की तरफ से मैटियस स्वानबर्ग (84वें) ने भी गोल किया। स्वीडन विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर है और आठ साल पहले रूस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद 2022 के विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था।

श्रीलंका वेस्टइंडीज

19वें ओवर में होल्डर के 3 छक्कों ने पलटा मैच, वेस्टइंडीज ने श्रीलंका से छीनी सीरीज

जमैका (एजेंसी)। शामर जोसेफ की घातक गेंदबाजी और जेसन होल्डर की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने जमैका के सबीना पार्क में खेले गए तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। जोसेफ ने करियर का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय पंजा झटका, जबकि होल्डर ने 19वें ओवर में तीन छक्के जड़कर मैच का रुख बदल दिया।

जोसेफ की आग उगलती गेंदबाजी – टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। कप्तान कुशल मेंडिस को मैथ्यू फोर्ड ने जल्दी पवेलियन भेज दिया। इसके बाद पथुम निसांका (26) और कमिल मिशारा ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन शामर जोसेफ ने लगातार गेंदों पर निसांका और पवन रत्नायके को आउट कर श्रीलंका को झटका दिया। मध्यक्रम में कुसल मेंडिस (20) और मिशारा भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। आखिरी ओवरों में दुनिथ वेल्लालागे और वानिंदु हसरंगा ने तेजी से रन बनाए, लेकिन जोसेफ ने अंतिम ओवर में वेल्लालागे, दुष्मंथा चमीरा और महीश तीक्षणा के विकेट लेकर श्रीलंका को 169 रन पर रोक दिया। जोसेफ ने 5 विकेट लेकर इतिहास रच दिया।

वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत – 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान शाई होप गोल्डन डक का शिकार बने। ब्रैंडन किंग (16) और अकीम ऑगस्टे भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। शिमरॉन हेटमायर ने 32 रन की तेज पारी खेली, लेकिन वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा ने लगातार विकेट लेकर वेस्टइंडीज को 64/4 के स्कोर पर मुश्किल में डाल दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

भारत की एथलेटिक्स टीम घोषित, नीरज चोपड़ा और अनीमेष कुजूर पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की एथलेटिक्स टीम का ऐलान कर दिया गया है। 22 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले खेलों के लिए एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 32 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा की है, जिसमें 22 पुरुष और 10 महिला एथलीट शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई – भारतीय टीम की सबसे बड़ी उम्मीद दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा होंगे। उनके अलावा स्प्रिंटर अनीमेष कुजूर, गुरिंदरवीर सिंह और हाल ही में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाले तेजस शिर्से भी टीम का हिस्सा हैं। 110 मीटर बाधा दौड़ में तेजस शिर्से ने शनिवार को इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में 13.27 सेकंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स टीम में चयन के रूप में मिला।

पुरुष वर्ग में कई बड़े नाम शामिल – पुरुष टीम में गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनीमेष कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5000 और 10000 मीटर), तेजस शिर्से (110 मीटर हर्डल्स), यशस पी और संतोष कुमार तमिलारासन (400 मीटर हर्डल्स) शामिल हैं। फील्ड इवेंट्स में सर्वेश कुशारे और आदर्श राम (हाई जंप), देव मीणा और कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), एम. श्रीशंकर और लोकेश सत्यनाथन (लॉन्ग जंप), प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल और तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट) को जगह मिली है। भाला फेंक में नीरज चोपड़ा के साथ रोहित यादव और यशवीर सिंह भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं तेजस्विन शंकर डेकाथलॉन और हाई जंप दोनों स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे।

धीरज बोम्मादेवरा ने अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण जीतकर 'स्वर्णिम डबल' पूरा किया

अंताल्या (एजेंसी)। धीरज बोम्मादेवरा ने रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक को रोमांचक फाइनल में 7-3 से हराकर अपना पहला व्यक्तिगत तीरंदाजी विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर यादगार %स्वर्णिम डबल% पूरा किया। इससे कुछ घंटे पहले ही उन्होंने कुमकुम मोहोद के साथ रिकर्व मिश्रित टीम का खिताब जीता था।

दुनिया में 18वें नंबर के भारतीय सेना के तीरंदाज ने बेहतर रैंकिंग वाले कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ शांत रहकर शानदार प्रदर्शन किया और अपने करियर का सबसे अहम दिन यादगार बनाया। धीरज ने शुरुआती दो सेट 30-29 और 29-28 से जीतकर 5-1 की बढ़त बना ली जबकि तीसरा सेट 27-27 से बराबरी पर छूटा। चौथे सेट में ली ने वापसी की। उन्होंने दो बार 10 और एक बार 9 का स्कोर करके सेट 29-27 से जीता जबकि धीरज परफेक्ट स्कोर नहीं बना पाए जिससे अंतर कम होकर 3-5 हो गया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लय नहीं बिगड़ने दी। 5-3 की बढ़त के साथ धीरज ने शानदार फाइनल सेट खेलकर मुकाबला अपने नाम किया।

उन्होंने लगातार तीन बार 10 (जिसमें एक 'एक्स' भी शामिल था) का स्कोर करके स्वर्ण पदक पक्का किया। कुमकुम मोहोद के साथ रिकर्व मिश्रित टीम स्वर्ण जीतने के कुछ ही घंटों बाद धीरज व्यक्तिगत मुकाबले में उतरे और जर्मनी के मोरित्ज वीजर को कड़े मुकाबले वाले सेमीफाइनल में 6-4 से हराकर शानदार वापसी की। धीरज पहला सेट 26-27 से हार गए।

पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद जेमिमा ने कहा, 'हम 'शिफू' एक-दूसरे की कमी पूरी करते हैं'

बर्मिंघम (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर शानदार जीत के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम के जज्बे और एकजुटता की तारीफ की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में बात करते हुए सिर्फ मुख्य खिलाड़ियों पर ध्यान देने के बजाय पूरी टीम के योगदान को सराहा।

जेमिमा ने मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में दबाव वाली स्थितियों में टीम के अच्छे प्रदर्शन और पूरे मैच के दौरान एक-दूसरे का साथ देने के लिए टीम की तारीफ की। इस मैच में भारत ने मुश्किल पलों से उबरते हुए बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया। अपनी शुरुआती बातों में जेमिमा ने पारी की शुरुआत में शैफाली वर्मा के इरादों का जिक्र किया। बीसीसीआई के वीडियो में ओपनर के बारे में बात करते हुए जेमिमा ने कहा, पहली जीत हमेशा खास होती है लड़कियों सबसे पहले शिफू (शैफाली)। पहली गेंद, बड़ा टूर्नामेंट... और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना। इसके बाद उन्होंने सीनियर बल्लेबाज स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की ओर ध्यान दिलाया जिनकी साझेदारी ने शुरुआती झटके के बाद भारत को मैच में वापस लाने में मदद की। उन्होंने कहा, हमारी दो अनुभवी खिलाड़ी... स्मृति, बहुत बढ़िया खेलीं! हैरी दी, बहुत बढ़िया खेलीं। आप दोनों ने हालात के हिसाब से बहुत अच्छा तालमेल बिठाया।

भारत के मिडिल-ऑर्डर के फिनिशिंग अंदाज की भी तारीफ हुई जिसमें जेमिमा ने पारी के आखिरी पलों में ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा के योगदान को सराहा। जेमिमा ने कहा, ऋचा और दीप्ति। हमने मैच को जिस तरह से अच्छे से खत्म किया, उसके बारे में बात करें तो मुझे लगता है कि आप दोनों इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं। हालांकि जेमिमा ने इस बात पर जोर दिया कि यह जीत सिर्फ बाउंड्री और बड़े शॉट्स की वजह से नहीं मिली। इसके बजाय उन्होंने टीम की उस क्षमता का जिक्र किया जिसमें खिलाड़ी व्यक्तिगत प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के बावजूद एक-दूसरे का साथ देते हैं। उन्होंने कहा, यह छक्कों या बाउंड्री के बारे में नहीं था। बॉलिंग में मुझे जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि ऐसे दिन भी आएंगे जब कोई अच्छी बॉलिंग करेगा और कोई शायद न कर पाए। लेकिन हमने एक दौर के तौर पर बात की थी कि हम एक-दूसरे की कमी पूरी करते हैं।

सामूहिक जिम्मेदारी की यह भावना तब भी दिखी जब जेमिमा ने भारत की बॉलिंग परफॉर्मेंस पर बात की। पाकिस्तान द्वारा लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज शुरुआत करने के बाद भारत के गेंदबाजों और फील्डरों ने मिलकर मैच पर दोबारा पकड़ बनाई और विपक्षी टीम के विकेट जल्दी-जल्दी गिरा दिए। और, मुझे लगता है कि आज हमारी पार्टनरशिप और जिस तरह से हमने बॉलिंग की, वह शानदार थी। हम हमेशा से एक टीम रहे हैं। हमने अच्छा किया है। लेकिन, आज हमने वैसी शुरुआत नहीं की जैसी हम चाहते थे। फिर भी, जिस तरह से हमने वापसी की, उससे हमें बहुत कॉन्फिडेंस मिलना चाहिए। जेमिमा की स्पीच का एक बड़ा हिस्सा दीप्ति शर्मा के लिए था जिनकी बॉलिंग ने पाकिस्तान के कड़े मुकाबले को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, %मुझे लगता है कि जब प्रेशर ज्यादा होता है, तब आप हमेशा अलग नजर आती हैं। और आज भी आपने बॉलिंग में वह जिम्मेदारी उठाई। जेमिमा ने युवा स्पिनर श्रेयांका पाटिल की भी तारीफ की कि उन्होंने प्रेशर में भी कितना संयम दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से आपने बॉलिंग की, उसमें आपने बहुत मैच्योरिटी दिखाई। बहुत बढ़िया।

भारतीय बल्लेबाज ने फील्डिंग पर भी जोर दिया और शैफाली वर्मा का खास जिक्र किया। उन्होंने कहा, शैफाली वर्मा - मैजिक हैंड्स! आपने दिखाया कि आप हमेशा योगदान दे सकती हैं।